

विचार बिन्दु

चरित्र वृक्ष है और प्रतिष्ठा उसकी छाया। –अब्राहम लिंकन

नई पीढ़ी ने व्यक्तित्व को समस्या बना दिया है

इन्सान के व्यक्तित्व के हर पहलू को इन दिनों एक समस्या के रूप में देखा जाने लगा है, जिससे नई पीढ़ी में बेचैनी और अवसाद बढ़ता जा रहा है। कोई भी चीज जो बहुत ज्यादा मानवीय हो, जैसे कोई आदत, कोई अजीब बात, कोई गहरी भावना, उन्हें ऐसी समस्याओं के रूप में देखा जाता है जिसे थैरेपी से सुलझाना जरूरी है। साइको-थैरेपिस्टों का नया पेशा परवान चढ़ गया है। थैरेपिस्ट हमारी समस्याओं को पहचान देते हैं, उन्हें हमें समझाते हैं, और उसका इलाज प्रेसक्राइब करते है। ये थैरेपिस्ट हमें समझाते हैं कि हमें कैसे बोलना चाहिए; कैसे व्यवहार करना चाहिए। इन थैरेपिस्टों ने जीवन में रोमांस और रिश्तों के बारे में हमारी सोच को ही खराब कर दिया है। चोट और तकलीफ़ के बारे में हमारी सोच को भी बिगाड़ दिया है। उन्होंने हमें ऐसे भ्रम में ला पटका है कि हम हर चीज दार्शनिक लहजे में सोचने लगे हैं कि हम कौन हैं। अब किसी को कोई अपनी पर्सनैलिटी नहीं है, जो है वह उसकी समस्या है। असल में हमें सिखाया जा रहा है कि हमारी पर्सनैलिटी एक डिसऑर्डर है। यह ‘मैन्टल इलनेस’ (मनोरोग) का एक ऐसा आभासी जाल है जिसमें जनरेशन ज़ेड फंस कर असामान्य होती जा रही है। आधुनिक जीवन की हर चीज़ को साइकोलॉजिकली, साइंटिफिकली, इवोल्यूशनरी तौर पर समझना नई पीढ़ी की गहरी आदत का हिस्सा बन गया है। इस पीढ़ी के लिये जीवन में हर चीज़ की वजह होनी चाहिए, जिसे कैटेगराइज़ किया जा सके और उसे ठीक किया जा सके। जनरेशन ज़ेड थ्योरीज़, प्रेमवर्क, सिस्टम्, स्ट्रक्चर, ड्राइव्स, मोटिवेशन्स और मैकेनिज्म में बात करती है। मगर हर चीज का एक्सप्लेनेशन खोजते हुए ये जीवन की मिस्ट्री, रोमांस और खुद को खो रहे हैं। नई पीढ़ी लोगों के बारे में बताते के सेंटीमेंटल तरीके खो रही है। एक समय था जब कोई हर जगह लेट हो जाता था सभी उसे प्यार से भुलक्कड़ या लेट-लतीफ़ कह देते थे। मगर अब हम मानते है कि वह ‘अटेंशन-डेफिसिट’/‘हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर’ का शिकार है। कोई शर्मीला है और लोगों से बात करते हुए नज़रें नीची किए रहता है तो वह कोई मुलायम और प्यारा इंसान नहीं है। मनोचिकित्सकीय सलाहकार कहता है वह आत्मकेंद्रित है। मनोचिकित्सक/थैरेपिस्ट के पास हर व्यवहार का निदान है क्योंकि उसके हिसाब से वह रोग है। अब मनुष्य अपने पुरखों का मिला-जुला रूप या अजीब आदतों का समूह नहीं होता है, बल्कि बचपन की घटनाओं की टाइमलाइन का क्लिनिकल नतीजा होता है। दिल से निकली हर बात परेशान करने वाली हो या दिलचस्प, उसकी कैटेगरी बना डी गई है। कभी जो बातें मुस्कान के साथ याद की जाती थीं, अब डॉक्टरों के नोट्स और मेंटल-हेल्थ असेसमेंट और बैटर-हेल्प एप्लीकेशन पर ज़िंदा है। अब इंसान नहीं रहे। अब सब प्रोडक्ट है, और थैरेपिस्टों ने सबके लिये लेबल बना रखे हैं। अब दिलदार लोग नहीं होते हैं, सिर्फ़ लोगों को खुश करने वाले लोग होते हैं। ऐसे लोग नहीं हैं जो अपना दिल खोलकर रखते हों। अब तो सिर्फ़ बेचैनी से जुड़े हुए या को-डिपेंडेंट लोग हैं। मेहनती लोगों की जगह सिर्फ़ ट्रॉमा झेल चुके, इनसिक्योर, ओवरअचीवर, न्यूट्रोिक रूप से एम्बिशियस लोग हैं।

मुश्किल यह है कि लोगों की मर्जी के बिना भी उन्हें इस तरह श्रेणीबद्ध किया जाता है। नए चलन के हिसाब से अनाड़ी माओं को अपने ‘अटेंशन-डेफिसिट/हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर’ का पता ही नहीं होता है; हमेशा शांत रहने वाले पिता को पता ही नहीं चलता कि वे ऑटिस्टिक हैं; शांत रहने वाले दादा इमोशनली रुके हुए है। हमने सिर्फ़ पर्सनैलिटी ट्रेट्स ही नहीं खो दिए हैं, बल्कि अब कोई अनुभव भी नहीं रहा है, जिंदगी के कोई फेज या सीज़न नहीं है, कोई अजूबे या रहस्य नहीं है, सिर्फ़ सुराग हैं कि हमारे साथ क्या गलत हो सकता है और उसके निदान हैं। इंसान जो कुछ भी होता है, उसे समझाया जा सकता है; कुछ भी छुट नहीं है। हम यह मान नहीं सकते कि हम किसी से पागलपन में उसे/बिना सोचे-समझे प्यार करते हैं। हमें सोचने का सही तरीका समझाया जाता है कि हम उसके आर-पार देखें, यह जानें कि असल में क्या हो रहा है, छिपे हुए मकसद खोजें। हम किसी पर फ़िदा होते हैं, यह सिर्फ़ एक ट्रॉमा रिस्रॉन्स है। वे कहते हैं तुम्हें कोई क्रश नहीं है; तुम्हें अटेंचमेंट की दिक्कत है। याद दिलाया जाता है कि बचपन में किसने आपको चोट पहुंचाई थी। असल में, अब कोई फ़ीलिंग्स ही नहीं हैं, सिर्फ़ डिसेरगुलेटेड नर्वस सिस्टम हैं। हमारा हर इंसानी अनुभव एक डेटा पॉइंट है, और हमारी ज़िंदगी का मकसद उन सबको एकदम सही तरीके से जोड़ना है। यही सोचने का अब स्वस्थ तरीका बताया जा रहा है। अब हम अब पिछली पीढ़ियों से ज्यादा समझदार और इमोशनली ज्यादा इंटेलिजेंट जो हो गये हैं। बेशक, पहले भी ऐसे लोग थे जिन्हें असली बीमारियों के लिए असली मदद की जरूरत होती थी, जो उन्हें कभी नहीं मिली। लेकिन यह पूरी कहानी नहीं है। कई लोग ज्यादा खुश भी थे, कम सेल्फ़-कॉन्शियस थे, वास्तव में खुद को भूल पाते थे। यह

असल में हमें सिखाया जा रहा है कि हमारी पर्सनैलिटी एक डिसऑर्डर है। यह ‘मैन्टल इलनेस’ (मनोरोग) का एक ऐसा आभासी जाल है जिसमें जनरेशन ज़ेड फंस कर असामान्य होती जा रही है। आधुनिक जीवन की हर चीज़ को साइकोलॉजिकली, साइंटिफिकली, इवोल्यूशनरी तौर पर समझना नई पीढ़ी की गहरी आदत का हिस्सा बन गया है। इस पीढ़ी के लिये जीवन में हर चीज़ की वजह होनी चाहिए, जिसे कैटेगराइज़ किया जा सके और उसे ठीक किया जा सके।

अतीत को याद करना नहीं है, लेकिन वहां कुछ ऐसा था जो खो गया है। वह शायद जीने का एक आसान तरीका था। अब हमारा अहं है, जो हमें परेशान और कन्फ्यूज्ड करता है। आज की पीढ़ी रिश्तों और पेरेंटहुड जैसी चीज़ों में अटक जाती है। जिन प्रतिबद्धताओं पर हम अटक जाते हैं, जिन फैसलों पर हम लगातार बहस करते हैं, जिन परंपराओं को निभाना हमें मुश्किल लगता है, वे अक्सर ऐसी होती हैं जिन्हें हम सहज रूप से समझा नहीं पाते। हम उसे अकाउमिक तौर पर समझाने की कोशिश करते। सिंगल रहने के मुक़ाबले एकपत्नीय यादों का बचाव करना अब मुश्किल हो चला है। बच्चे पैदा करने के साथ भी ऐसा ही है। इन चीज़ों को फायदे और नुकसान की लिस्ट में डाल दिया जाता है। पुरानी पीढ़ी में किसी से पूछें कि उन्होंने परिवार क्यों शुरू किया? इस बारे में उसने कभी सोचा ही नहीं। लेकिन यह उटना पागलपन भरा नहीं है जितना हमें यकीन दिलाया जाता है, या यह इतना लापरवाही भरा भी नहीं है। इसमें कुछ इंसानी बात है।

यह पीढ़ी 38 बिलियन डॉलर की मेंटल हेल्थ इंस्ट्र्टी से प्रभावित है, जो पहले नहीं थी। इंटरनेट हमें ज्यादा जानने देता है, इसलिए दुनिया ज्यादा मुश्किल लगती है। नई पीढ़ी के लोग अपने जीवन पर नियंत्रण और पक़ावत चाहते हैं। वे समझदार होने का आराम महसूस करना चाहते हैं। वे हर चीज़ की वजह जानना चाहते है। यही उन्हें दुखी कर रहा है। यह अजीब लग सकता है कि बेरहमी से जानने को हम आजादी मानते हैं। खुद पर नज़र रखना, जीने का आज़ाद तरीका है। हम किसी तरह कम दबे हुए हैं। सभी मेडिकल लेबल में बंधे हुए हैं। ऐसे युवा भी हैं जो अपनी ज़िंदगी के सबसे बेफ़िक्र साल खुद को मैप करते, कंपनियों और एडवर्टाइज़र के लिए खुद को कैटेगरी में बांटने में बिता रहे हैं। हमने एक पीढ़ी को सिखाया कि ज़िंदगी का मतलब बाहर दुनिया में नहीं बल्कि उनके अपने दिमाग में है। हम इसे कम आंकते हैं, खुद को समझने के इस दुखी काम को। बड़तों कोई यह देखकर दुख होता है कि हमने एक पीढ़ी को यह दिल तोड़ने वाली जागरूकता दी है। जिसकी दुनिया के बारे में एकमात्र समझ यह उग्र खोज है कि हर चीज का कारण ढूंढना है। क्योंकि हम कभी भी सब कुछ समझा नहीं सकते। किसी न किसी बिन्दु पर हमें चीज़ों का विश्लेषण करना और समझना बंद करना होगा और जो पता नहीं है उसे स्वीकार करना होगा। हम असल में बस विश्वास ही पा सकते हैं। और शायद अपने बारे में थोड़ा हंसखरापना इंसान होने से ठीक होना नामुमकिन है, और इसीलिए मेंटल हेल्थ इंस्ट्र्टी में बहुत ज्यादा डिमांड है। किसी भी चीज़ को काफ़ी देर तक समझाओ और हमें कोई न कोई बीमारी मिल ही जाएगी; काफ़ी गहराई से खोजेंगे तो हम अपने आप को ही गायब पाएंगे। हमेशा सिखाया जाता है कि सबसे बहादुरी का काम हिम्मत रखना है। लेकिन हर चीज को न समझाना, कंट्रोल छोड़ना, अपने स्व में रहने की हिम्मत खो रही है। यह मानना भी समझदारी है कि हम खुद को कभी भी किसी और चीज़ से नहीं समझ पाएंगे, सिवाय इसके कि हम कैसे काम करते हैं, कैसे जीते हैं, और दूसरे लोगों के साथ कैसे व्यवहार करते हैं। नई पीढ़ी ने अपने बारे में काफ़ी सोच लिया है। उसे और ज्यादा अवेयरनेस या जवाबों की जरूरत नहीं है। ज़िंदगी भर खुद को समझाने, अपनी मजबूत भावनाओं को सुलझाने, अपनी पर्सनैलिटी को स्टैडर्ड बनाने और हर अनुभव को समझने की कोशिश करने के बाद, इस पीढ़ी को शायद यह एहसास हो सकता है कि उनकी एकमात्र समस्या, हमेशा से, इंसान होना थी। आज बुद्ध होते तो यही रास्ता दिखाते कि खुद को अनुभव के लिए आज़ाद करो, किसी एक्सप्लेनेशन के लिए नहीं, सामान्य रहने के लिए। अपनी भावनाओं, फैसलों और यादों को मार्केट की दखलत/छींने से बचाएं। मतलबी विशेषज्ञों और मुनाफ़े वाली मेडिकल इंस्ट्र्टी से बचें। खुद को थोड़ा असुलझा छोड़ दें। कौन जाने? यह एक रहस्य है। तितारों में लिखा हुआ। कहीं अनजान जगह से। अपनी पर्सनैलिटी को बनाए रखना इस बात का ऐलान है कि आप इंसान हैं। एक इंसान, कोई प्रोडक्ट नहीं। इसके लिये किसी और एक्सप्लेनेशन की जरूरत नहीं।

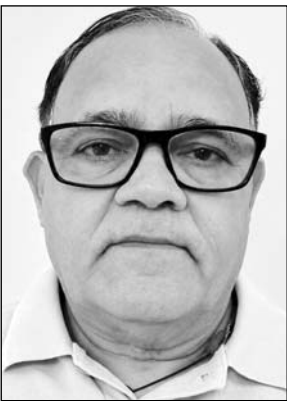
–अतिथि संपादक, राजेन्द्र बोड़ा (वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राशिफल

बुधवार 28 अक्टूबर, 2026

कार्तिक मास, कृष्ण तृक्ष, तृतीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत–2083, कृत्तिका नक्षत्र दिन 1:26 तक, व्यतिपात योग प्रातः 7:18 तक, वणिज करण दिन 2:37 तक, चन्द्रमा आज वृष राशि में संचार करेंगा।

ग्रह स्थिति–सूर्य–तुला, चन्द्रमा–वृष, मंगल–कर्क, बुध–तुला, गुरू–कर्क, शुक्र–तूला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह
आज सर्वाथं सिद्धि योग सम्पूर्ण दिन–रात है। भद्रा दिन 1:32 से रात्रि 1:07 तक है। आज व्यतिपात पुण्यं है।
श्रेष्ठ चौघड़िया– लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:24 तक, शुभ 10:47 से 12:11 तक, चर 2:57 से 4:20 तक, लाभ 4:20 से सूर्यास्त तक।
राहुकाल– 12:00 से 1:30 तक, सूर्योदय 6:37, सूर्यास्त 5:44



के.सी. वर्मा

ऊर्जा किसी भी प्रदेश की आर्थिक प्रगति, औद्योगिक विकास, कृषि उत्पादन और आाजन के जीवन स्तर को बेहतर बनाने का प्रमुख आधार है। बिजली की पर्याप्त उपलब्धता उद्योगों को गति देने के साथ ही किसानों की लागत घटाने, घरेलू उपभोक्ताओं को राहत देने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। ऐसे में राजस्थान के लिए ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाा विकास की अनिवार्य आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार अक्षय ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने, विद्युत प्रसारण तंत्र मजबूत करने और किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध करने की दिशा में योजनाबद्ध प्रयास कर रही है। राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियाँ उसे देश में स्वच्छ ऊर्जा का प्रमुख केंद्र बनने की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी हैं। यहां वर्षभर पर्याप्त धूप, अनुकूल पवन परिस्थितियां और बड़े ऊर्जा संयंत्रों का स्थापित विचार के लिए भूमि उपलब्ध है। राज्य में लगभग 828 गीगावाट सौर ऊर्जा और 284

गीगावाट पवन ऊर्जा की संभावित क्षमता है। इसी सामर्थ्य का परिणाम है कि राजस्थान अक्षय ऊर्जा उत्पादन में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

मई 2026 तक राज्य में 47 गीगावाट से अधिक अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित हो चुकी थी। वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 29,443 मेगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता में वृद्धि हुई, जबकि पिछली सरकार के पूरे कार्यकाल में यह वृद्धि 15,780 मेगावाट रही थी। राजस्थान एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति-2024 के तहत वर्ष 2030 तक 125 गीगावाट अक्षय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए केवल सौर और पवन ऊर्जा बढ़ाने के साथ ही ऊर्जा भंडारण, आधुनिक प्रसारण व्यवस्था, निवेश और तकनीकी नवाचार को भी समान महत्व दिया जा रहा है।

राजस्थान जैसे कृषि प्रधान राज्य में खेतों में सिंचाई के लिए रात के बजाय दिन में बिजली मिलना किसानों की सुविधा और कृषि कार्यों की उत्पादकता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बजट घोषणा के अनुरूप वर्ष 2027 तक प्रदेश के सभी जिलों में किसानों को दिन के समय बिजली उपलब्ध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया है।

इस दिशा में नागौर जिले के बिरलोका में 220 केवी गिड सब-स्टेशन का चालू होना महत्वपूर्ण उपलब्धि है। लगभग 170 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस जीएसएस में 160 एमवीए क्षमता का 220/132 केवी पावर ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया है। इसके शुरु होने से अजमेर विद्युत वितरण क्षेत्र के सभी 14 जिलों में किसानों को दिन के समय दो ब्लॉक में बिजली आपूर्ति

की व्यवस्था लागू करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। अब प्रदेश के 27 जिलों में किसानों को दिन में बिजली दी जा रही है।

राजस्थान में ऊर्जा उत्पादन को ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने के लिए पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत विकेंद्रीकृत सौर ऊर्जा परियोजनाओं को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य में इस योजना के तहत 4,000 मेगावाट से अधिक क्षमता की परियोजनाएं स्थापित हो चुकी हैं, जबकि 6,500 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं आवंटित की जा चुकी हैं। इनसे कृषि क्षेत्र की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और बिजली व्यवस्था पर दबाव कम करने में सहायता मिल सकती है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत 3.36 लाख से अधिक घरेलू उपभोक्ताओं के यहां सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित किए जा चुके थे। इससे परिवारों को बिजली खर्च में राहत देने और स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन में भागीदार बनाने की संभावनाएं बढ़ी हैं।

सरकारी भवनों पर भी सौर संयंत्र स्थापित किए जा रहे हैं। एक हजार से अधिक राजकीय भवनों की सौंदर्याकरण इस दिशा में उल्लेखनीय पहल है। सौर ऊर्जा को बड़े संयंत्रों तक सीमित न रखकर खेतों, घरों और सरकारी संस्थानों तक पहुंचाना ऊर्जा आत्मनिर्भरता को व्यापक जनभागीदारी से जोड़ता है।

राजस्थान में बड़े पैमाने पर स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन के लिए सौर पार्क का विस्तार किया जा रहा है। राज्य में राजकीय उपक्रमों और संयुक्त उपक्रमों के माध्यम से 4,670 मेगावाट क्षमता के सौर पार्क स्थापित हो चुके हैं, जबकि 12,000 मेगावाट से अधिक क्षमता के सौर

पार्क निर्माणाधीन हैं। नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 1 लाख हेक्टेयर से अधिक राजकीय भूमि आवंटित की जा चुकी है।

सौर और पवन ऊर्जा के साथ बैटरी भंडारण, पंप स्टोरेज, बायोफ्यूल, बायो-सीपनजी और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाएं भी बढ़ रही हैं। इन परियोजनाओं से निर्माण, परिवहन, तकनीकी सेवाओं, रखरखाव और स्थानीय कारोबार में रोजगार के अवसर पैदा हो सकते हैं।

अक्षय ऊर्जा की एक प्रमुख चुनौती यह है कि सौर ऊर्जा का उत्पादन दिन के समय अधिक होता है, जबकि बिजली की मांग अलग-अलग समय पर बदलती रहती है। इसी प्रकार पवन ऊर्जा का उत्पादन भी मौसम और हवा की गति पर निर्भर करता है। इसलिए ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए उत्पादन के साथ बिजली के भंडारण और प्रसारण की पर्याप्त व्यवस्था आवश्यक है। राज्य सरकार ने वर्ष 2030 तक 10 गीगावाट ऊर्जा भंडारण क्षमता विकसित करने का लक्ष्य रखा है।

राजस्थान में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए चार्जिंग नेटवर्क विकसित करने, जैव ईंधन को प्रोत्साहित करने और निवेश हाइड्रोजन जैसी नई तकनीकों में निवेश की संभावनाएं तलाशने के प्रयास भी भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के अनुरूप हैं। इन पहलों से परिवहन क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग बढ़ सकता है और नए औद्योगिक अवसर पैदा हो सकते हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में ऊर्जा क्षेत्र में किए जा रहे प्रयास राजस्थान को स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, कृषि ऊर्जा सुरक्षा और निवेश

के नए केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण हैं। किसानों को पर्याप्त समय और पूरी विश्वसनीयता से बिजली उपलब्ध कराने के साथ ही घरेलू उपभोक्ताओं का खर्च घटाने और उद्योगों को निर्बाध बिजली उपलब्ध कराने में सुधार के भी व्यापक प्रयास किये जा रहे हैं।

परियोजनाओं को समय पर पूरा करना, विद्युत वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति सुधारना, तकनीकी एवं वाणिज्यिक छीजत कम करना और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने को भी पर्याप्त महत्व दिया जा रहा है।

राजस्थान के पास प्राकृतिक संसाधनों की प्रचुरता और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में अठाणी बनने की व्यापक संभावनाएं हैं। बिरलोका में 220 केवी जीएसएस का चालू होना इस बात का उदाहरण है कि ऊर्जा क्षेत्र की बड़ी नीतियों को स्थानीय जरूरतों से जोड़कर किसानों तक लाभ पहुंचाया जा सकता है। उत्पादन, प्रसारण, भंडारण और वितरण की योजनाएं निर्धारित समयसीमा में प्रभावी ढंग से लागू करने से राजस्थान ऊर्जा आत्मनिर्भरता के साथ अन्य राज्यों को ऊर्जा देने में सक्षम बन रहा है। ऊर्जा आत्मनिर्भर राजस्थान का अर्थ केवल अधिक बिजली पैदा करना नहीं, बल्कि किसान को दिन में बिजली, परिवार को राहत, उद्योग को भरोसेमंद आपूर्ति और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। स्वच्छ ऊर्जा और मजबूत विद्युत व्यवस्था का यही समन्वय प्रदेश के आर्थिक विकास को गति देने तथा विकसित राजस्थान के संकल्प को साकार करने का आधार बन सकता है।

–के.सी. वर्मा, आईएएस (सेन.)

सीएनडी में स्थित प्रज्ञता – गीता के मैनेजमेंट मंत्र और परिणाम का निष्काम दर्शन



अनীशा सहारण

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के सेंट्रल न्यूज डेस्क (सीएनडी) में एक दीवार पर लगे क्लास रूम बोर्ड पर ‘मामनुस्मृत्य युध्य च’ शीर्षक लिखा हुआ है। शाम के 4 बजे हैं, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में अपना करियर शुरू कर अब वरिष्ठ सहायक पद पर कार्यरत और कठिन परिस्थितियों में बमुश्किल 12वीं पास कर पाया चन्दू कार्मिकों की तरह प्रश्न पाने की अर्घ्य के बारे में आख्यान दे रहा है। चंदू, जिसका वास्तविक नाम चन्द्रकांत शर्मा कुछ पुराने कार्मिक या खास दोस्त ही जानते हैं, कॉर्पोरेट डिलेमा केस स्टडी के रूप में बताते हैं कि विधानसभा कवरेज, प्रधानमंत्री के दौरों के कवरेज के समय कई बार उनके सामने डिलेमा आया कि व्यक्तिगत जानकारी और वास्तव में फील्ड में सक्रिय पत्रकार का प्रवेश पर प्राथमिकता से बने या किसी बड़े मीडिया संस्थान का एक अतिरिक्त पास बनवा दें। दोनों ही मामलों में एप रास्ता निकलने के लिए चंदू को पत्रकार और अब संगठन और उनके निजी हित उठारते भी हैं और कई बार पूरक भी होते हैं।

ऐसे समय वे श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिए सम्बोधन को याद करते हैं, व्यक्तिगत भावनाओं से ऊपर उठकर संगठन के बड़े लक्ष्य के लिए कड़े फैसले लेते हैं। कई बार फैसले सही साबित हुए, कई बार गलत लेकिन संतोष रहा कि कोई निर्णय गलत नहीं लिया। अब चंदू के इसी बयान से समझा जा सकता है कि उसने और सेंट्रल न्यूज डेस्क के लिए किसी निर्णय का सही या गलत होना परिणाम का उल्लंघन किए बिना समय पर आम जन तक पहुंचे।

अगले दिन इसी सेशन में सूचना सहायक श्रद्धा शर्मा बताती हैं कि एआई और रोग बदलते ग्लोबल पॉवर डायनामिक्स और इससे हो रही अनिश्चितता के समय में परंपरागत लीडर की एक्सोन्यूट अधॉरिटी और करिश्मा से ज्यादा महत्वपूर्ण है, स्वीकार्यता। सबसे बड़ा लीडर वह है जो खुद अपनी कमी स्वीकार कर ले। वह संकेत से बताती है कि इसी संकेशन में एक अधिकारी ने लाइन ऑफ सक्सेशन में उच्च स्थान पर होने के बावजूद अपना अधॉरिटी वाला रोल अघोषित रूप से जूनियर अधिकारी को दे दिया और खुद को प्रशासन के बजाय प्रेस रिलीज, सक्सेस स्टोरीज, ऑर्टिकलस, फीचर राइटिंग की ओर मोड़ दिया। इससे संगठन को बहुत फायदा हुआ, निर्णय तेज गति से हुए, कम्युनिकेशन बैरियर हटा और सरकार की योजनाओं का बेहतर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हुआ।

सीएनडी प्रभारी मनमोहन हर्ष ने अपने सेशन में बताया कि समाज और कॉर्पोरेट व सरकारी संगठन में फॉलोवर्स को हेय दृष्टि से देखा जाता रहा है जबकि संगठन के साक्षा विजन को धरातल पर उतारने के लिए एनर्जी, स्किल से पूर्ण टीम जरूरी है। लीडर में अब करिश्मा नहीं प्योरिटी, वलन्टेरेबिलिटी, इगोलेस प्रेजेंस महत्वपूर्ण है। मैं निमित्त मात्र हूं, कोई भी असफलता मेरी है, सफलता टीम के पद पर कार्य किया और अब पीआरओ के रूप में बदस्थ है। तीनों रोल अलग शेड और प्रकृति के हैं लेकिन किसी भी कार्य की सफलता के लिए स्ट्रेंथ, वीकनेस और अपर्पैर्जुनिटी का मूल्यांकन कर अपना 100 प्रतिशत दो और थ्रेट यानी बाहरी कारक दैवीय हस्तक्षेप, अनिश्चितता के लिए बैकअप प्लान तैयार रखें। किसी न्यूज को डेडलाइन पर आधिकारिक तौर पर रिलीज करना पब्ल नही है तो उसके लिए बैकअप प्लान तैयार किया जाता है ताकि जनहित का समाचार सरकारी नियमों

का उल्लंघन किए बिना समय पर आम जन तक पहुंचे। अगले दिन इसी सेशन में सूचना सहायक श्रद्धा शर्मा बताती हैं कि एआई और रोग बदलते ग्लोबल पॉवर डायनामिक्स और इससे हो रही अनिश्चितता के समय में परंपरागत लीडर की एक्सोन्यूट अधॉरिटी और करिश्मा से ज्यादा महत्वपूर्ण है, स्वीकार्यता। सबसे बड़ा लीडर वह है जो खुद अपनी कमी स्वीकार कर ले। वह संकेत से बताती है कि इसी संकेशन में एक अधिकारी ने लाइन ऑफ सक्सेशन में उच्च स्थान पर होने के बावजूद अपना अधॉरिटी वाला रोल अघोषित रूप से जूनियर अधिकारी को दे दिया और खुद को प्रशासन के बजाय प्रेस रिलीज, सक्सेस स्टोरीज, ऑर्टिकलस, फीचर राइटिंग की ओर मोड़ दिया। इससे संगठन को बहुत फायदा हुआ, निर्णय तेज गति से हुए, कम्युनिकेशन बैरियर हटा और सरकार की योजनाओं का बेहतर प्रचार-प्रसार सुनिश्चित हुआ।

सीएनडी प्रभारी मनमोहन हर्ष ने अपने सेशन में बताया कि समाज और कॉर्पोरेट व सरकारी संगठन में फॉलोवर्स को हेय दृष्टि से देखा जाता रहा है जबकि संगठन के साक्षा विजन को धरातल पर उतारने के लिए एनर्जी, स्किल से पूर्ण टीम जरूरी है। लीडर में अब करिश्मा नहीं प्योरिटी, वलन्टेरेबिलिटी, इगोलेस प्रेजेंस महत्वपूर्ण है। मैं निमित्त मात्र हूं, कोई भी असफलता मेरी है, सफलता टीम के पद पर कार्य किया और अब पीआरओ के रूप में बदस्थ है। तीनों रोल अलग शेड और प्रकृति के हैं लेकिन किसी भी कार्य की सफलता के लिए स्ट्रेंथ, वीकनेस और अपर्पैर्जुनिटी का मूल्यांकन कर अपना 100 प्रतिशत दो और थ्रेट यानी बाहरी कारक दैवीय हस्तक्षेप, अनिश्चितता के लिए बैकअप प्लान तैयार रखें। किसी न्यूज को डेडलाइन पर आधिकारिक तौर पर रिलीज करना पड़ सकता है। उसे विविध चुनौतियों के लिए ज्ञान और तकनीक से ज्यादा इमोशनल इंटेलिजेंस और सबसे महत्वपूर्ण स्थितप्रज्ञता प्राप्त होने की आवश्यकता है।

नागौर जिले के माडपुरा में

1904 में जन्मे संत रामसुखदास जी महाराज ने वर्ष 2005 में देह त्याग तक श्रीमद्भगवद्गीता का संदेश सरल भाषा में साधक संजीवनी व गीता प्रबोधनी जैसी पुस्तकों और मौखिक आख्यान के माध्यम से आम जन और श्रद्धालुओं तक पहुंचाया। न कोई अभ्रम और शिष्य बनाया, न कोई संगठन खड़ा किया। हर्ष को यूट्यूब पर इनके किसी अनुयायी का लिंक मिला, वे ऑनलाइन क्लासेज से जुड़े और इससे जीवन, कर्म, फल, संगठन, स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में नए अर्थ मिले। भगवद्गीता तो बचपन से ही पढ़ी थी लेकिन उसके आध्यात्मिक पहलू से ही परिचय था। अब नए अर्थ सामने आए जो आज के दौर की नई समस्याओं के मौलिक समाधान प्रस्तुत करते हैं।

इस पहल का मूल है– श्रीमद्भगवद्गीता के अध्याय 8, श्लोक 7 से लिए गए ‘मामनुस्मृत्युध्य च’ में श्रीकृष्ण अर्जुन से कहते हैं कि तुम हर समय मेरे स्मरण करो और युद्ध भी करो। इस प्रकार अपने मन और बुद्धि को मुझमें अग्रण करके तुम निःसन्देह मुझे ही प्राप्त हो जाओगे। सहायक निदेशक प्रियंका अग्रवाल ने कर्मण्येवाधिकारस्ते वाले श्लोक का कार्मिक के लिए महत्व समझाया। उसने बताया कि कोई बेस्ट काम करता है तो उसे और दूसरे को भी लगता है कि वह काम में खो गया। यही कर्तव्य पालन है। जब आप काम के समय ही रिजल्ट की भी चिंता कर रहे हो तो फिर काम को 100 प्रतिशत कैसे दे सकते हैं। इसी भ्रम, उदात्तान, फ्रिक्शन से बचाया था श्रीकृष्ण ने अर्जुन को। इससे संसाधनों की बर्बादी सकती है। मानसिक संसाधन की बर्बादी भी आत्मा और आंतरिक शक्ति को वही क्षित पहुंचाती है जो भौतिक संसाधनों की बर्बादी धरती मां के पर्यावरण और इसके अस्तित्व को पहुंचाती है। इससे लक्ष्य का निरंतर स्मरण, उसके लिए आवश्यक कर्तव्य पालन और समर्पण की सीख मिलती है। अपना मन और बुद्धि भगवान को समर्पित कर देने से जीवन की शंकाएं

समाप्त हो जाती हैं और परम गति की प्राप्ति होती है। नई दिल्ली के भारत मंडपम में गत 23 अक्टूबर को चिन्मय अमृत महोत्सव में स्वामी चिन्मयानंद ने स्वामी चिन्मयानंद का होलीवुड ने जुलाई 1993 में पीएम मोदी जी से हुई वडोदरा मुलाकात में गीता का संदेश युवाओं तक पहुंचाने के अपने आह्वान को मोदी जी द्वारा काफी हद तक पूरा किए जाने की सराहना की। होलीवुड ने जोर देकर कहा कि जब गीता का संदेश प्रत्येक युवा तक पहुंचेगा, तभी सामन्वय भारत का निर्माण होगा, जिसे पूर्ण करने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दोहराया। यह दर्शाता है कि गीता और इसका संदेश विकसित भारत और एक बेहतर विश्व के निर्माण के लिए अत्यंत मौलिक और आधारभूत है। गीता का संदेश प्रत्येक युवा, प्रत्येक कार्मिक, प्रत्येक नागरिक और सुशासन (गुड गवर्नेंस) के प्रत्येक स्ट्रेकोहल्डर के लिए पहली ज़रूरत है।

मैंने कक्षा 12 में द परस्यूट ऑफ हैप्पीनेस मूवी में दिल स्थिथ द्वारा अभिनीत क्रिस गार्डनर पात्र को देखकर कभी डीन बिटर रेनोल्ड्स जैसे संगठन में इंटरनशिप करने की कल्पना की थी। लेकिन जो मुझे यहां मिला, उसकी तो कल्पना भी नहीं कर सकती थी। मेरे जैसे सामान्य प्रतिभाशाली इंटरन को सामान्य से दिखने वाले लोगों से बहुमूल्य और असामान्य जीवन मूल्य और मैनेजमेंट मंत्र मिले, जो हावर्ड बिजनेस स्कूल और वार्टन स्कूल में कई लाख डॉलर की फीस वाले कोर्स में संभव नहीं है क्योंकि वहां पढ़ाया जाता है, यहां अप्लाई किया जाता है। इस अद्भुत मंत्र पर मुझे एक इंटरन के रूप में कार्य करने और सीखने का यह अमूल्य अवसर प्रदान करने के लिए मैं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और सूचना एवं जनसम्पर्क आयुक्त राकेश शर्मा का सहृदय आधार व्यक्त करती हूं।

–अनीशा सहारण (यंग मीडिया सहायक)



पंडित अनिल शर्मा

आज सर्वाथं सिद्धि योग सम्पूर्ण दिन–रात है। भद्रा दिन 1:32 से रात्रि 1:07 तक है। आज व्यतिपात पुण्यं है।
श्रेष्ठ चौघड़िया– लाभ–अमृत सूर्योदय से 9:24 तक, शुभ 10:47 से 12:11 तक, चर 2:57 से 4:20 तक, लाभ 4:20 से सूर्यास्त तक।
राहुकाल– 12:00 से 1:30 तक, सूर्योदय 6:37, सूर्यास्त 5:44

मेघ
आर्थिक कार्णों से अटक हुए कार्य बनने लगेगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

वृष
मानसिक तनाव दूर होगा। मन:स्थिति में सुधार होगा। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनासुसार बनने लगेगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

मिथुन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में अस्तोषता बना रहेगा। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

धनु
विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अस्त-व्यस्त कार्य व्यवस्थित होने लगेगे। अटके हुए कार्य बनने लगेगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक बातें सफल

कोटा में किडनी फेलियर से जूझ रही एक और प्रसूता की मौत

15 दिन से सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती थी प्रसूता

कोटा, (निसं)। मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में एक और किडनी फेलियर से पीड़ित प्रसूता की मौत मंगलवार को हो गई है। उसने सुबह चार बजे उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। वह बीते 15 दिनों से सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती थी जबकि इसके पहले 12 अक्टूबर को उसका प्रसव जेके लोन अस्पताल में नॉर्मल हुआ था। जहां पर उसने मृत नवजात को जन्म दिया था, जिसकी हाई बीपी और एनीमिक होने के चलते पेट में ही मौत हो गई थी। इस प्रसूता को मिलाकर कोटा मेडिकल कॉलेज के अस्पतालों में 12 दिन में चौथी प्रसूता की मौत हो गई है।

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. नीलेश जैन का कहना है कि शाहबाद निवासी 25 वर्षीय प्रसूता रेशु की मौत हुई है। किडनी फेलियर के बाद यह प्रसूता बारां जिले से रेफर होकर आई थी, जिसकी किडनी भी बारां में ही फेल हो गई थी। लगातार 15 दिन उसका इलाज सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में चला है। जिसमें जरूरत के अनुसार डायलिसिस भी करवाई गई। पूरे प्रोटोकॉल से ही ट्रीटमेंट किया गया है। इसके पहले उसका प्रसव भी जेके लोन में इमरजेंसी में कराया गया था

■ 12 अक्टूबर को महिला का प्रसव जेके लोन अस्पताल में नॉर्मल हुआ था, जहां पर उसने मृत नवजात को जन्म दिया था

जहां पर मृत नवजात को उसने जन्म दिया था।

गायनकोलॉजी विभाग अध्यक्ष और जेके लोन अस्पताल की सुपरिंटेंडेंट डॉ. निर्मला शर्मा का कहना है कि रेशु की डिलीवरी के समय ही हाई बीपी बनी थी। उसके दो प्रसव पहले हो चुके हैं और तीसरे में भी काफी हाई रिस्क प्रेग्नेंसी थी। वह 8 महीने की गर्भवती थी। वह हाई बीपी से जूझ रही थी। उसे खून की कमी थी। बीपी के चलते इंटरनल ब्लॉडिंग हो गई थी। गर्भ में ब्लॉडिंग के बाद ब्लड जमा हो गया था। उसका हीमोग्लोबिन 6.5 ही था, जबकि यह आमतौर पर 12 के आसपास रहता है। इसी के चलते उसकी बॉडी में काफी सूजन आई हुई थी। इसे पहले शाहबाद और फिर उसके बाद बारां से कोटा रेफर किया गया था। बारां से ही इसका रीनल फेलियर हो गया था। जेके लोन अस्पताल में यह 12 अक्टूबर को शाम को लेकर आए थे। यहां कुछ ही घंटे में इसका प्रसव कर दिया गया था। नवजात ब्रांड डेड हुआ

था जब इसकी जांच करवाई गई क्रिएटनम बढ़ा हुआ आया था। जिसके बाद उसे सुपर स्पेशलिटी में शिफ्ट करने की बात की। वहां पर 13 अक्टूबर को शिफ्ट कर दिया गया था। वहीं दूसरे मामले में जेके लोन अस्पताल की गायनकोलॉजी विभाग अध्यक्ष और जेके लोन अस्पताल के अधीक्षक डॉ.निर्मला शर्मा ने बताया कि बारां जिले के छबड़ा निवासी 26 वर्षीय शबनम की भी मौत हुई है। वह करीब 24 घंटे अस्पताल में भर्ती भी रही है, जबकि सिजेरियन डिलीवरी के जरिए उसके नवजात को बचा लिया गया है। शबनम कोमा की हालत में ही रेफर होकर जेके लोन अस्पताल पहुंची थी। पूरी जानकारी परिजनों को दे दी गई थी और उसके बाद ही ऑपरेशन कर बच्चे को सेफ किया गया है। इस दौरान उसका बीपी कम हो गया था। उसे वेंटिलेटर सपोर्ट भी दिया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बच सकी।

मृतका के भाई सरफराज का कहना है कि 22 अक्टूबर को बारां

हॉस्पिटल में शबनम को सिजेरियन डिलीवरी के लिए भर्ती किया था। उसका खाना-पीना बंद कर दिया गया और आले दिन 23 अक्टूबर को सिजेरियन करने के लिए कहा था लेकिन डॉक्टर ने 12 घंटे बीत जाने के बाद भी ऑपरेशन नहीं किया। वहीं, 23 अक्टूबर को शाम 7 बजे ही उसको ड्रिप चढ़ाई गई, जिसके बाद उसकी तबीयत बिगड़ गई और दौरे पड़ने लगे थे। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में सबसे पहले कोटा में ही मई महीने में प्रसूताओं की मौत के मामले सामने आए थे जिसमें चार प्रसूताओं और एक गर्भवती की मौत हो गई थी। वहीं, इसके बाद अक्टूबर महीने में फिर प्रसूताओं की मौत के मामले शुरू हुए। ऐसे में 12 दिन में यह चौथी मौत हुई है।

चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त निदेशक कोटा जोन डॉ.जगदीश सोनी का कहना है कि बारां जिला अस्पताल के पीएमओ ने इस संबंध में जांच कमेटी बनाई है। इस जांच कमेटी में गायनी की डॉ.रिंकेश मीणा एनेस्थीसिया की डॉ.गरिमा गौल और सीनियर स्पेशलिस्ट डॉ. हरिओम मीणा शामिल हैं।

सरमथुरा में खेत से लौट रही महिला पर जरख का हमला

महिला के चेहरे पर घाव हुये, हाथ की हड्डी टूटी, हायर सेंटर रेफर किया

सरमथुरा, (निसं)। उपखंड के गोलारी ग्राम पंचायत के बहेरीपुरा गांव में खेत से लौट रही महिला पर जरख ने हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। महिला फसल काटकर खेत से घर लौट रही थी।

घायल महिला का नाम कमला पत्नी उत्तम गुर्जर है। वह बहेरीपुरा की रहने वाली है। कमला अपनी धानी की

■ घटना की जानकारी मिलते ही सरमथुरा रेंजर देवेंद्र सिंह अस्पताल पहुंचे

फसल काटकर खेत से घर लौट रही थी, तभी गांव के पास जरख ने उस पर हमला कर दिया। ग्रामीणों ने कमला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरमथुरा पहुंचाया। चिकित्सा प्रभारी गोरेलाल

मीणा ने बताया कि महिला के हाथ की हड्डी टूट गई है और उसे गंभीर चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही सरमथुरा रेंजर देवेंद्र सिंह चौहान अस्पताल पहुंचे। उन्होंने उच्च अधिकारियों को रिथित से अवगत कराया और सरकारी मुआवजे का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने सरकार से सहायता राशि दिलाने की मांग की है।

छह फीट ऊंची दीवार फांदकर बाड़े में घुसा लैपर्ड

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर में गोगुंदा थाना क्षेत्र में दो दिन पहले देर रात लैपर्ड द्वारा भैंस के बछड़े का शिकार करने की घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। इसमें लैपर्ड करीब 6 फीट ऊंची बाड़े की दीवार फांदकर अंदर घुसता हुआ नजर आ रहा है। लैपर्ड बाड़े में बछड़े का शिकार करने के बाद दूसरे रास्ते से निकल गया।

इस घटना के बाद से आसपास ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। लोग अकेले रात में बाहर निकले से डर रहे हैं। ग्रामीणों ने पिंजरा लगाकर लैपर्ड पकड़ने की मांग की है लेकिन अभी तक लैपर्ड पकड़ा नहीं गया है। बताया जा रहा है कि गांव के आसपास पहाड़ी इलाके में लैपर्ड का मूवमेंट है।

टोंक में अवैध मादक पदार्थ बरामद, 10 गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाये गये एक दिवसीय विशेष अभियान "नशा मुक्त भारत अभियान" में अलग-अलग थाना क्षेत्रों में मादक पदार्थों की तस्करी और बिन्नी से जुड़े मामलों में जिला स्पेशल टीम व विभिन्न पुलिस थाना टीमों ने एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए जिलेभर में 11 मामलों दर्ज किए और 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में पुलिस टीम ने 56 किलो 681 ग्राम

■ एनडीपीएस एक्ट के मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 5 वांछित आरोपियों को भी पकड़ा

गांजा और गांजे के हरे पौधों के साथ 1 किलो 566 ग्राम डोडा-पोस्ट और करीब 7 ग्राम 320 मिलीग्राम स्मैक जब्त की है तथा इसके अलावा नशीले इंजेक्शन, प्रतिबंधित गोलिएं, नकदी और तस्करी में इस्तेमाल की जा रही

एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस ने बताया कि जब्त मादक पदार्थों की कुल अंतरराष्ट्रीय अनुमानित कीमत करीब 11 लाख 63 हजार 910 रुपए है। वहीं दूनी थाना पुलिस ने नशीले इंजेक्शन और प्रतिबंधित गोलिएं की जब्त की, जिसमें ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड के 4 इंजेक्शन और अफ्साजोलम की 71 गोलिएं शामिल हैं।

इस कार्रवाई के दौरान आरोपियों के कब्जे से 1 लाख 41 हजार 15 रुपए नकद जब्त किए गए हैं एवं इसके

अलावा मादक पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक मोटरसाइकिल भी जब्त की गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियान के दौरान एनडीपीएस एक्ट के मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे 5 वांछित आरोपियों को भी पकड़ा गया। इस तरह अभियान में मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में गिरफ्तार किए गए 10 आरोपियों के अलावा 5 वांछित आरोपियों को पकड़े जाने की जानकारी दी गई है।

ट्रेन के एसी कोच में पांच बैगों में शराब की खेप मिली, आरोपी को पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। ट्रेन छूटने में महज पांच मिनट बाकी थे। इसी दौरान आरपीएफ की नजर हड़पसर सुपरफास्ट एक्सप्रेस के एसी कोच में सीट के नीचे रखे पांच बैगों पर पड़ी। तलाशी ली तो उनमें ब्रांडेड शराब की 97 बोतलें मिलीं। बिन्नी के लिए इस शराब को गुजरात ले जाने की तैयारी थी। आरपीएफ की जोधपुर मंडल टास्क टीम ने सोमवार रात यह कार्रवाई की। बरामद शराब की कीमत 1 लाख 3 हजार रुपए की बताई जा रही है। शराब बरामद के साथ ही एक आरोपी को पकड़ा गया है।

उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त नीतीश शर्मा ने बताया कि यह कार्रवाई महानिरीक्षक सहप्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त (आरपीएफ) ज्योति कुमार सतीजा और मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी के निदेश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन सतर्क और नशामुक्त भारत अभियान के तहत की गई। उन्होंने बताया कि घटना 26 अक्टूबर की रात करीब 9.55 बजे की है। ट्रेन संख्या 20495



आरपीएफ की जोधपुर मंडल टास्क टीम ने शराब जब्त की।

जोधपुर-हड़पसर सुपरफास्ट एक्सप्रेस रवाना होने वाली थी। आरपीएफ मंडल टास्क टीम के सहायक उप निरीक्षक अशोक कुमार, हेड कॉन्स्टेबल संजय विश्‍नोई और कॉन्स्टेबल योगेंद्र व मनीष

की टीम चेकिंग पर थी। जब ये टीम कोच नंबर ए-1 कोच में पहुंची तो सीट नंबर 17 के नीचे पांच बैग रखे नजर आए। टीम को इन बैगों पर शक हुआ। इस पर बैगों की तलाशी ली गई। तलाशी

सीकर जिले की पहाड़ियों में एक युवती घायल हालत में मिली

युवती बोलने की हालत में नहीं है, पुलिस बयान के आधार पर जांच करेगी

सीकर, (निसं)। सीकर के गोकुलपुरा थाना इलाके में कोट बांध के पास पहाड़ियों में एक कोरियोग्राफर युवती घायल हालत में मिली। युवती के भाई ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि किसी ने बहन को ड्रास देकर मारपीट की है। इसके बाद पहाड़ियों में छोड़ा है। फिलहाल युवती बोलने की हालत में नहीं है। पुलिस उसके बयान के आधार पर मामले की जांच करेगी।

गोकुलपुरा एसएचओ राजाराम लेधा ने बताया कि सोमवार को पुलिस

■ युवती के भाई ने पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि किसी ने बहन को ड्रास देकर मारपीट की है

थाने पर सूचना मिली कि कोट बांध के पास पहाड़ियों में एक युवती घायल हालत में मिली है। जिसके शरीर पर कई जगह चोट के निशान हैं।

सूचना पर टीम मौके पर पहुंची

और उसे इलाज के लिए हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। मामले में युवती के भाई ने मुकदमा दर्ज करवाया गया। भाई का आरोप है कि उसकी बहन को कोई अपने साथ लेकर गया और ड्रास देकर जान से मारने की नियत में पहाड़ी में छोड़ दिया। पुलिस के अनुसार युवती नशे की हालत में है। ऐसे में वह अब तक कुछ नहीं बोल सकी है। युवती के बयानों के बाद ही उसके साथ हुई घटना के बारे में पता लग पाएगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के चालान काटे, व्यापारियों में रोष

प्रत्येक दुकानदार पर 500 रुपए का चालान किए जाने पर व्यापारियों ने कार्रवाई का विरोध जताया

रूपवास, (निसं)। क्षेत्र के गांव नगला हवेली में कुएं में गिरने से एक महिला की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस ने मृतका के शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। घटना के बाद परिवार में शोक का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मृतका की पहचान कमलेश (58) पत्नी श्रीराम जाटव निवासी नगला हवेली के रूप में हुई है। थानाधिकारी विनोद मीणा ने बताया कि महिला मानसिक रूप से कमजोर थी और उसका उपचार चल रहा था। महिला कुएं में गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा शव को तुरूप से निकलवाने के बाद पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी करवाई। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस के अनुसार, मृतका के पति श्रीराम ने इस संबंध में मर्ग रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

रूपवास, (निसं)। कस्बे में तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच दुकानों के चालान काटे हैं। प्रत्येक दुकानदार पर 500 रुपए का चालान किए जाने के बाद व्यापारियों ने कार्रवाई का विरोध जताया। व्यापारियों ने पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि बड़े व्यापारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती, जबकि छोटे दुकानदारों को निशाना बनाया जा रहा है। वहीं पुलिस का कहना है कि बिना लाइसेंस तंबाकू उत्पाद बेचने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। व्यापारी राजेश ने बताया कि वह कस्बे के बस स्टैंड के पास तंबाकू उत्पादों

करने वाले बड़े व्यापारियों पर कार्रवाई नहीं होने से छोटे दुकानदारों में नाराजगी है। व्यापारियों ने कार्रवाई में समानता बरतने की मांग करते हुए कहा कि यदि नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई की जा रही है तो सभी संबंधित व्यापारियों के खिलाफ एक समान कार्रवाई होनी चाहिए।

इस संबंध में रूपवास थाने के एसएसआई कुंज बिहारी ने बताया कि बिना लाइसेंस तंबाकू उत्पाद बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। बस स्टैंड क्षेत्र में पांच दुकानों के चालान काटे गए हैं। उन्होंने कहा कि बिना लाइसेंस तंबाकू उत्पाद बेचने वाले अन्य व्यापारियों के खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

लाडनूं नगर पालिका में ठेकेदारों ने टेंडर प्रक्रिया निरस्त करने की मांग की

नगर पालिका में टेंडर जमा करने का निर्धारित समय निकलने के बाद भी निविदाएं जमा नहीं हो पाईं

लाडनूं, (निसं)। नगरपालिका में शहर की सार्वजनिक रोशनी व्यवस्था से जुड़े 53 लाख रुपए के तीन टेंडरों की प्रक्रिया को लेकर मंगलवार को विवाद खड़ा हो गया। टेंडर जमा कराने के लिए जयपुर, कोटा, किशनगढ़ और डीडवाना सहित अलग-अलग शहरों से पहुंचे ठेकेदारों को नगर पालिका कार्यालय में जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित कर्मचारी नहीं मिले। टेंडर जमा करने का निर्धारित समय निकलने के बाद भी जब उनकी निविदाएं जमा नहीं हो पाईं तो ठेकेदारों ने उपखंड अधिकाारी को ज़ापन सौंपकर नाराजगी जताई और टेंडर प्रक्रिया निरस्त करने की मांग की।

नगरपालिका की ओर से जारी निविदा सूचना के अनुसार तीन कार्यों के लिए 27 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे तक निविदाएं जमा करानी थीं, जबकि प्राप्त निविदाएं दोपहर 2 बजे खोली जानी थीं। मंगलवार सुबह करीब 9.30 बजे से ही लगभग 15 ठेकेदार फर्मों के संचालक और प्रतिनिधि सीलबंद निविदा प्रपत्र जमा कराने नगरपालिका कार्यालय पहुंचने लगे। ठेकेदारों का आरोप है कि निर्धारित समय तक इंतजार करने के बावजूद उन्हें निविदाएं जमा करने के लिए कोई जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी नहीं मिला। उन्होंने ने बताया कि अधिशाषी अधिकारी एवं निविदाओं से संबंधित



ठेकेदारों ने उपखंड अधिकारी को ज़ापन सौंपा।

■ लाडनूं शहर की सार्वजनिक रोशनी व्यवस्था से जुड़े 53 लाख रुपए के तीन टेंडरों की प्रक्रिया को लेकर विवाद खड़ा हो गया

■ टेंडर जमा कराने के लिए जयपुर, कोटा, किशनगढ़ और डीडवाना सहित कई शहरों से पहुंचे ठेकेदारों को पालिका कार्यालय में जिम्मेदार अधिकारी और संबंधित कर्मचारी नहीं मिले

अधिकारी के कक्ष पर भी ताला लगा हुआ था। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और

कर्मचारियों से मोबाइल पर संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन नहीं उठाए।

इससे ठेकेदारों में नाराजगी बढ़ गई। ठेकेदारों का कहना है कि दोपहर 12 बजे निविदाएं जमा करने और 2 बजे उन्हें खोलने का निर्धारित समय निकलने के बाद भी उन्हें कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। बाद में ठेकेदारों से कहा गया कि वे कमरा नंबर-2 में अपनी निविदाएं जमा करवा सकते हैं। हालांकि, ठेकेदारों के अनुसार वहां मौजूद कर्मिकों ने निविदाएं जमा करने की जिम्मेदारी लेने से इनकार कर दिया। ऐसे में ठेकेदारों ने निर्धारित समय निकलने के बाद निविदाएं जमा कराने की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाए। नगरपालिका की ओर से क्षेत्र में एलईडी लाइटों की सप्लाई और फिक्सिंग, आरसीसी बिजली के खंभों एवं ब्रेकेट्स सहित एलटी सपोर्टिंग एसेसरीज की सप्लाई और फिक्सिंग तथा मौजूदा हाई मास्ट खंभों पर हाई पावर फ्लड लाइटों की सप्लाई और फिक्सिंग से कहा शामिल थे। इन तीनों कार्यों की कुल अनुमानित राशि करीब 53 लाख रुपए बताई गई है। ज़ापन देने वालों में देवेन्द्र राठौड़ कोटा, सुरेश कुमार डीडवाना, नरेश सिंह चौहान किशनगढ़, जोगेंद्र सिंह जयपुर और राजवीर चौधरी डीडवाना शामिल थे। हर्दर चौधरी डैओ नगरपालिका लाडनूं का कहना है कि ऐसी कोई बात नहीं है। समय पर आने वाले संवेदकों की कार्रियां ले ली गई थी।



Celebrating International Animation Day

International Animation Day, celebrated every October 28, honours the art and craft of animation that brings imagination to life. Established by the International Animated Film Association (ASIFA), the day highlights the creativity, innovation, and cultural impact of animated films and media across the globe. From hand-drawn sketches to cutting-edge CGI, animation captivates audiences of all ages, transcending language and borders. Schools, studios, and enthusiasts host workshops, screenings, and exhibitions to inspire budding animators and showcase iconic works. This celebration not only recognizes the pioneers of animation but also encourages the next generation to explore storytelling through movement, colour, and imagination.

#IMPERFECTION

The Fabric Trade Origin of the Phrase "No Strings Attached"

When tailors required flawless fabric, they would communicate this directly to the mill or cloth merchant. Explicit: "A piece with no strings attached, please."



The phrase "no strings attached" is widely used today to describe something offered without conditions or obligations. While many explanations point to theater, puppetry, or figurative control, one of the most compelling and practical origins comes from the historic fabric and tailoring trade, where the phrase had a precise and literal meaning.

Strings as Markers of Imperfection
In traditional textile mills, particularly before industrial automation, cloth was woven and inspected by hand. During inspection, minor flaws, such as uneven weave, slubs, or small inconsistencies, were often marked with short strings tied along the selvedge (the finished edge of the fabric). These strings served as visual indicators for tailors and cutters, signaling areas that required attention or avoidance.

The presence of these strings did not necessarily render the cloth unusable. Skilled bespoke tailors, accustomed to working with hand-woven materials, could easily plan around such flaws.

The Role of the Lay Plan
In bespoke tailoring, each garment is cut using a hand-prepared lay plan, where pattern pieces are carefully positioned on the cloth to maximize quality and minimize waste. When flaws were marked with strings, tailors could place pattern pieces strategically to avoid them altogether. However, this flexibility had limits. Certain garments, tight layouts, or highly visible pattern pieces, such as a coat front or trouser leg, required perfect, uninterrupted cloth. In these cases, even small imperfections were unacceptable.



"A Piece with No Strings Attached"

When tailors required flawless fabric, they would communicate this directly to the mill or cloth merchant. The request was explicit: "A piece with no strings attached, please."

In this context, the phrase was entirely literal. It meant fabric without flaw markers, indicating a length of cloth free from imperfections and suitable for uncompromised cutting. There were no allowances to be made, no workarounds required, and no hidden issues waiting to be discovered.

Why This Origin Endures

What makes the fabric trade explanation especially convincing is how cleanly it maps onto the modern meaning. The phrase did not begin as abstract metaphor but as practical professional language, rooted in material quality and trust between maker and supplier.

A "no strings attached" piece of cloth was exactly what it claimed to be, nothing concealed, nothing compromised, and nothing to work around.

Conclusion

The origin of "no strings attached" in the fabric and tailoring trade reflects a world where craftsmanship depended on transparency and precision. From strings tied to selvedges marking minor flaws to a tailor's insistence on perfection, the phrase grew from a literal request into a lasting idiom.

Today, when we say something comes with no strings attached, we echo a centuries-old demand from the cutting table: give me exactly what you promised, clean, clear, and without compromise.

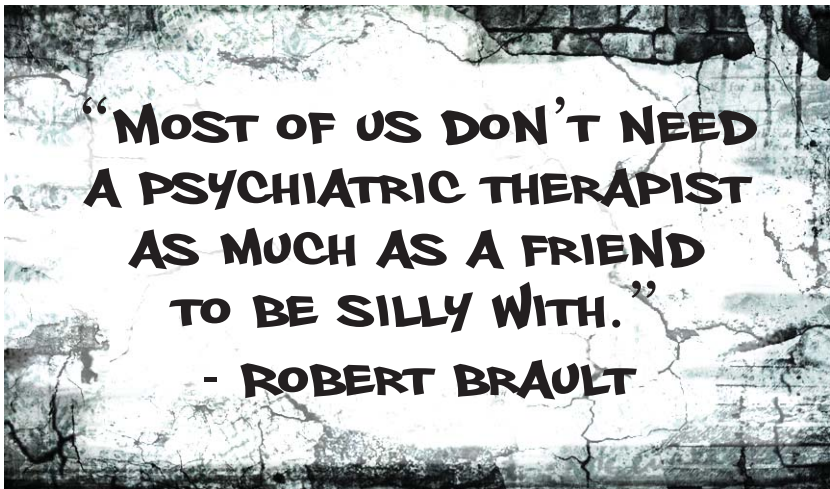


One of the advantages of writing about investment marketplaces and not being attached or employed to any financial institution is that I can give objective reflections. I am not in the Equity bug camp or the commodity leader

or the Bond flag bearer. Just analyzing the data and making impressions of what the indicators seem to be pointing towards. Markets are a great leveler. Many of the theories that were the foundations of modern finance and economics have been put to the test. The interplay of the real world and human behaviour unravels and dissects their shortcomings. So, investors need to do their own research, foster critical thinking, get less emotionally tied and look at different sides to the argument. Smell testing everything is recommended and that differentiates the authentic from the fuzziy."



THE WALL



Closely tied to the RBI Governors underscored challenges is the gradual change in the global monetary order where there is a noticeable setting sun for fiat currencies and a rising dawn for a precious metals backed currency order. Central banks have increased 5 times their gold stacking since the dollar was weaponized in 2022, courtesy the Biden Government. At that moment of coercion, Russia and China would have been reminded of Napoleon Bonaparte famous quote, "Never interrupt your enemy when he is making a mistake." In fact, 2026 has been the highest gold stacking year for Central Banks. Gold has overtaken US Treasuries as the most widely held asset as a reserve holding.

And The Answer Is Gold !!!

#INVESTMENT MARKETPLACE



The Economic Times had a front page feature with the Finance Minister addressing in an Economic Conclave the priority of resource security, improving R&D investing by private sector and the need to build upon structural foundations absorbing future shocks. On the same Economic Conclave, the RBI Governor highlighted the potential financial risks of high global debt and sky high valuations...

The elephant in the room, which will have a spillover effect on all our markets in India, will be the rise of long term US TREASURY YIELDS which are already at 5.4 percent, a high that was last seen in 2004. The higher it goes, the more the US has to pay to their borrowers. This is a big deal as the debt has risen close to 6 times since 2004 for the US and the annual interest payments have crossed dollar 1.25 trillion. Additionally, nations worldwide are on a debt junkie spree with 360 trillion in maturing bonds in the coming years. Their economies are pump primed on anabolic-androgenic steroids. The world derivatives market size is dollar 1



he is making a mistake." In fact, 2026 has been the highest gold stacking year for Central Banks. Gold has overtaken US Treasuries as the most widely held asset as a reserve holding. India does not want to be left behind in these trends. If India wants to position itself as a top 3 leading nations in the future, it would be important for it to have a fortified currency. Countries that want to position themselves as responsible and creditable have been silently accumulating the premier precious metal. Those nations, that want to shoot themselves in the foot by ignoring this trend, will have themselves to blame. China has imported 14000 tons of gold since 2015 and you can see it as a move to potentially challenge the Dollar's hegemony.

Inextricably linked to the Dollar's declining hegemony is the unwinding of the Yen Carry trade. For decades, hedge funds used the below 1 percent Japanese bond yields to bet on assets in the US. Since 2025, Bond yields in Japan have been climbing and have recently crossed 3 percent, virtually ending the Yen carry trade. As a result, Japanese investors are coming back to Japan to invest. US treasuries are being sold by the Japanese to prop up the currency and keep yields down in their markets, which has not worked. Scott Bessent (US Treasury Secretary) has sent them some money by selling Euros to try and keep the Japanese invested in US Treasuries, but the yields remain high in Japan and the currency is still weak. The Yen carry trade is important because the US crossed 40 trillion in debt and has a rollover of 8 trillion of debt this year. If the



By Rick Kirkman & Jerry Scott

BABY BLUES



ZITS



By Jerry Scott & Jim Borgman

संक्षिप्त

राजकुमार ब्रह्म समाज बौली के अध्यक्ष बने

बौली –बामनवास। ब्रह्म समाज समिति बौली की जिला सवाईमधोपुर के पूर्व निर्णयानुसार द्विवर्षीय अध्यक्ष निर्वाचन प्रक्रिया के तहत राजकुमार तिवাড়ो को

सर्वसम्मति से निर्विरोध ब्रह्म समाज बौली का अध्यक्ष घोषित किया गया है। निर्वाचन अधिकारी दशरथ राज शर्मा एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी गिर्राज प्रसाद बुंदेला द्वारा प्रातः 8:00 बजे निर्वाचन प्रक्रिया शुरू की गई, प्रातः 10:00 बजे तक प्राप्त तीन आवेदनों में से दो अर्धार्थियों द्वारा नामांकन वापस ले लिया गया, अवशेष मात्र एक प्रत्याशी राजकुमार तिवাড়ो पुत्र स्वर्गीय मूलचंद तिवাড়ो को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया। नवनियुक्त अध्यक्ष राजकुमार का समाज के प्रबुद्धजनों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया एवं निर्वाचन अधिकारियों द्वारा नवनियुक्त अध्यक्ष को नवीन कार्यकारीणी गठित करने एवं कर्तव्य निर्वाह हेतु अधिकृत किया गया।

सवाई माधोपुर में शक्ति दिवस आयोजित

सवाई माधोपुर। अनिमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु मंगलवार को शक्ति दिवस का आयोजन् किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ अनिल कुमार जेमिनो ने बताया कि अनिमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के अंगरंगत बच्चों, किशोर-किशोरियो, प्रजनन उम्र की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनिमिया की दर को कम करने हेतु माह के प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक आंगनवाडी केंद्रों, उप स्वास्थ्य केंद्रों, पीएचसी, सीएचसी व राजकीय चिकित्सा संस्थानो पर शक्ति दिवस आयोजित किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य समुदाय व लाभार्थियों में अनिमिया निवर्त्रण हेतु स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबीन की जांच उपचार तथा अनिमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अनिमिया से संबंधित गतिविधियां आयोजित की गई। जिसमें अनिमिया की स्क्रीनिंग, जांच, उपचार तथा अनिमिया के प्रति जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गये।

मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण कार्यक्रम

राजगढ़। महिला अधिकारी का विवाह की ओर से मुख्यमंत्री नारी शक्ति प्रशिक्षण एवं कौशल संवर्धन के तहत संकल्प आईटीआई में आरएस सी आईटी महिला प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष रेखा सैनी एवं पार्षद राजीव विजय रहे। नगर पालिका अध्यक्ष रेखा सैनी ने राज्य सरकार की महिलाओं के कल्याण के क्षेत्र में चल रही योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने कंप्यूटर के क्षेत्र में महिलाओं को ज्ञानवर्धन के लिए आगे आने का आह्वान किया। इस दौरान तैर्देशक अजय यादव ने नहीं तकनीक के माध्यम से घरेलू एवं व्यवसायिक कार्यों की गतिविधियों को कंप्यूटर के माध्यम से आसानी से हल करने की जानकारी दी। इस दौरान निशुल्क पुस्तक वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सुमन लता यादव, अनुज सैनी, राम पुखराज एवं अन्य मौजूद रहे।

नशा-मुक्ति का संदेश दिया

चौमूं / कालाडेरा। सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय, कालाडेरा, जयपुर में नशा–मुक्ति के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से सचेत करने के उद्देश्य से नई किरण नशा–मुक्ति केंद्र के तत्वावधान में महाविद्यालय परिसर में व्यापक स्तर पर दीवार लेखन अभियान संचालित किया गया।

अलवर में सजा तिब्बती बाजार

अलवर। सदीं का मौसम शुरू होते ही देश के अनेक शहरों में तिब्बती बाजार सजने लगते हैं। गर्म कपड़ों की खरीदारी के लिए लोगों को इन बाजारों का इंतजार रहता है। इसी सिलसिले में अलवर में भी मंगलवार को तिब्बती बाजार का विधिवत उद्घाटन किया गया।

राज्यपाल ने कोटपूतली में विकास योजनाओं की समीक्षा की

जयपुर/कोटपूतली। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को नीमराणा में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नशामुक्त भारत अभियान, टीबी मुक्त भारत अभियान, शिक्षा, कृषि, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

राज्यपाल ने नशे की रोकथाम के लिए विभागों को समन्वित कार्रवाई करने, गांवों में अभियान तेज करने तथा विद्यालयों और महाविद्यालयों में जागरूकता गतिविधियां आयोजित करने पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराने, निगरानी सख्त करने और जनभागीदारी बढ़ाने के निर्देश दिए।

टीबी मुक्त भारत अभियान की समीक्षा करते हुए उन्होंने रोगियों की समय पर पहचान, नियमित उपचार और पात्र मरीजों को पोषण सहायता उपलब्ध कराने तथा स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने पर बल

पावटा में पाइपलाइन के नाम पर खोदी सड़कें सालों से बदहाल

पावटा। कस्बे में पाइपलाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कें सालों बाद भी बदहाली से उबर नहीं पाई हैं। कई बाड़ों में सड़क मरम्मत का काम अधूरा पड़ा है, तो कहीं गड्ढे भरने के नाम पर केवल खानापूर्ति किए जाने से सड़कें दोबारा उखड़ गई हैं। नतीजतन, स्थानीय निवासियों से लेकर राहगीरों तक को रोजाना परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गड्ढों और बिखरे पत्थरों से भरी सड़कें हादसों को न्योता दे रही हैं। बारिश के दौरान स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जब पानी भरने से गड्ढों का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है और पैदल चलने वाले तथा दोपहिया वाहन चालक गिरकर चोटिल होने का खतरा झेलते हैं। पाइपलाइन डालने के लिए सड़कों की खुदाई के बाद उन्हें पूर्व स्थिति में लाना संबंधित जिम्मेदारों की प्राथमिकता होनी चाहिए, लेकिन कस्बे के कई हिस्सों में लंबे समय बाद भी मरम्मत का काम पूरा नहीं हो पाया है। कहीं सड़क की सतह उखड़ी हुई है, तो कहीं गहरे गड्ढे और कंकड़–पत्थर लोगों की परेशानी बढ़ा रहे हैं। स्थानीय लोगों के लिए इन रास्तों से गुजरना मजबूरी बना हुआ है।

अलवर में खड़गे के बयान पर भाजपा युवा मोर्चा का प्रदर्शन

अलवर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के कथित विवादित बयान को लेकर अलवर में भाजपा युवा मोर्चा के

- नंगली सर्किल पर राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के पुतले जलाकर जताया विरोध**

कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। नंगली सर्किल पर कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी, सोनिया गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के पुतले फूंककर अपना आक्रोश जताया और कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन के संयोजक रजनीश जैमन ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके पिता को लेकर मल्लिकार्जुन



राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने मंगलवार को नीमराणा में जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर विभिन्न विभागों की योजनाओं और विकास कार्यों की समीक्षा की।

दिया।

शिक्षा विभाग को शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने, विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने, कमजोर विद्यार्थियों के लिए उचित उपचारात्मक कक्षाएं संचालित करने

तथा बोर्ड परीक्षा परिणाम बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों के समन्वय से विद्यार्थियों को नीट–यूजी, जेईई सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उचित मार्गदर्शन उपलब्ध कराने को कहा।

राज्यपाल ने किसानों को समय पर उर्वरक उपलब्ध कराने, रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही सामाजिक सुरक्षा पेंशन और पालनहार योजना

भरतपुर कलैक्टर ने जेब्रा लाइन और डंबल स्ट्रिप लगाने के निर्देश दिए

भरतपुर। सारस चौराहे पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए जिला कलक्टर कमर चौधरी एवं जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा ने राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के अधिकारियों के साथ चौराहे का निरीक्षण किया। उन्होंने दुर्घटनाओं के कारणों का विश्लेषण कर आवश्यक सुधारात्मक कार्य करवाने, यातायात संकेतक लगाने तथा आमजन को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए।

जिला कलक्टर ने कहा कि सारस चौराहे पर दुर्घटनाओं को रोकने के लिए सड़क सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने के साथ वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना के लिए जागरूक करना आवश्यक है। उन्होंने आगरा की ओर बनाए गए कट से लगभग 100 मीटर पहले गति सीमा एवं दुर्घटना संभावित क्षेत्र के चेतावनी बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। साथ ही, प्रत्येक 50 मीटर की दूरी पर स्पीड लिमिट के संकेत अंकित करवाने तथा थर्मोप्लास्टिक पेंट को सड़क पर स्पष्ट चिह्नांकन कराने को कहा, ताकि वाहन चालकों को समय रहते गति नियंत्रित करने का संकेत मिल



कलैक्टर कमर चौधरी एवं जिला पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मीणा ने एनएचएआई के अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया।

सके। उन्होंने चौराहे पर रेड लाइट के दोनों ओर जेब्रा लाइन एवं सफेद पट्टियां बनवाने तथा यातायात व्यवस्थाओं की प्रत्येक दो माह में समीक्षा करने के निर्देश दिए। शहर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर शहर की ओर जाने वाली लिंक सड़कों के कट पर भी जेब्रा लाइन एवं थर्मोप्लास्टिक पेंट से डंबल स्ट्रिप बनवाने को कहा, जिससे वाहन चालकों को गति कम करने के लिए सचेत किया जा सके। सर्विस रोड को व्यवस्थित कर यातायात का दबाव कम करने पर जोर

कलक्टर ने आगरा की ओर जाने वाली सर्विस रोड पर यातायात को

अलवर के पंकज जैन और नीरज ने खरीदी ‘अरबियन एसेस’ क्रिकेट फ्रैंचाइजी

अलवर। जिले के बड़ौदा कान गांव से जुड़े पंकज जैन और उनके भाई नीरज जैन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखते हुए ‘अरबियन एसेस’ क्रिकेट फ्रैंचाइजी खरीदी है। टीम आगामी अबू धाबी टी10 लीग में हिस्सा लेगी। दोनों भाइयों को फ्रैंचाइजी के 50 वर्षों के अधिकार मिले हैं। एक छोटे से गांव से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट फ्रैंचाइजी तक पहुंचने की यह उपलब्धि क्षेत्र के लिए गौरव का विषय है। पंकज जैन ने बताया कि क्रिकेट के क्षेत्र में कुछ बढ़ा करने का सपना वे लंबे समय से देख रहे थे। अब भाई नीरज जैन के साथ उन्होंने इस सपने को साकार करने की दिशा में कदम बढ़ाया है। टीम 7 से 20 नवंबर तक अबू धाबी में होने वाली टी10 लीग में मैदान पर उतरेगी। यह प्रतियोगिता क्रिकेट के सबसे छोटे और तेज प्रारूप टी10 की प्रमुख अंतरराष्ट्रीय लीगों में शामिल है।अरबियन एसेस ने अपने पहले सीजन के लिए अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से सजी टीम तैयार की है। इंग्लैंड के ऑलराउंडर मोईन अली, विस्कोटक बल्लेबाज लियांम लिविंग्स्टोन और वेस्टइंडीज के स्टार ऑलराउंडर आंद्रे रसेल टीम के प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हैं।

जीडी कॉलेज में घुमंतू समुदायों पर कॉमिक्स प्रदर्शनी

अलवर। गौरी देवी राजकीय महिला महाविद्यालय में सोमवार को घुमंतू समुदायों की पहचान, संस्कृति और रोजमर्रा के मुद्दों पर आधारित ग्रासरूट्स कॉमिक्स प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी का उद्देश्य घुमंतू समुदायों के जीवन और उनकी समस्याओं के साथ–साथ साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। प्रदर्शनी में घुमंतू समुदायों के सदस्यों द्वारा स्वयं बनाई गई 50 से ज्यादा कॉमिक्स लगाई गईं। इनमें समुदाय के लोगों ने अपने अनुभवों, सामाजिक समस्याओं और संघर्षों को कहानियों के रूप में प्रस्तुत किया।

छात्राओं ने बताया कि इस प्रदर्शनी के जरिए उन्हें पहली बार घुमंतू समुदायों के जीवन और समस्याओं को करीब से समझने का अवसर मिला। इस पहल से उन्हें इन समुदायों की पहचान और सामाजिक परिस्थितियों के बारे में जानने

- घुमंतू समुदायों के सदस्यों की बनाई 50 से अधिक कॉमिक्स प्रदर्शित, साइबर सुरक्षा पर जानकारी दी**

का मौका भी मिला। कार्यक्रम में उपस्थित कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) सत्यभान यादव ने वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया के कॉमिक्स अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि कॉमिक्स के माध्यम से घुमंतू समुदायों की पहचान और उनके मुद्दों को सामने लाना एक सराहनीय पहल है।वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया की टीम से सेवक सिंह, राहुल खान, संजु, संगीता, मुकेश, सुरेश, करीना और वंशिका ने कार्यक्रम में भाग लिया। टीम के सदस्यों ने छात्राओं को कॉमिक्स के महत्व और घुमंतू समुदायों की पहचान के बारे में बताया।

‘नीमराणा वैश्विक औद्योगिक पहचान की ओर अग्रसर’

जयपूर /कोटपूतली–बहरोड़। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि आधुनिक तकनीक, निवेश और भारत–जापान सहयोग औद्योगिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण हैं। नीमराणा वैश्विक औद्योगिक परिदृश्य में अपनी पहचान मजबूत कर रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकार औद्योगिक विकास और निवेश संवर्धन के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। राज्यपाल मंगलवार को नीमराणा स्थित एनआईआईटी विश्वविद्यालय सभागार में नीमराणा इंडस्ट्री एसोसिएशन एवं रेज एक्सपर्ट के संयुक्त तत्वावधान में द टाइम्स ऑफ इंडिया की ओर से आयोजित ‘राइजिंग नीमराणा’ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जापानी उद्योगों एवं निवेश को बढ़ावा देने, औद्योगिक साझेदारी के विस्तार और आयात–निर्यात को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। उन्होंने बुलेट ट्रेन सहित विभिन्न क्षेत्रों में जापान के सहयोग के लिए आधार व्यक्त किया।

सार-समाचार

निवाई में अजमीद जयंती मनाई



निवाई। स्वर्णकार नवयुवक मंडल के तत्वाधान में गंगा जमना गार्डन में आरध्य देव महाराजा अजमीद की जयंती हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाई गई। जिसमें समाज के सभी वर्गों ने बहू–चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि हेमंत सोनी बपुई, डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा, नगरपालिका চেयरमैन नरेन्द्र जयसिंहपुरा, पार्षद गोविन्द सोनी एवं करणसिंह राजावत द्वारा महाराजा अजमीद के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर एवं माल्यार्पण करके किया गया। स्वर्णकार नवयुवक मंडल के अध्यक्ष दिनेश सोनी रजवास ने बताया कि अजमीद जयंती महोत्सव को लेकर महिलाओं एवं नन्हें–मुन्ने बच्चों के लिए कई प्रकार के मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं ज्ञानवर्धक व खेलकूद प्रतियोगिताओं का विशेष आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वर्णकार समाज के तहसील अध्यक्ष नन्दकिशोर भौण, सहर अध्यक्ष कन्नू भौण, नवयुवक मंडल अध्यक्ष दिनेश रजवास, पवन सिरौही, राकेश रजवास, भवानीशंकर सोनी, विपुल सोनी, सीटू सोनी व योगेश सोनी सहित समाज के कई कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। समाज बंधुओं ने एक–दूसरे को जयंती की बधाई दी एवं समाज के उत्थान, एकता व प्रगति के लिए निरंतर मिल–जुलकर सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

सांभर महाविद्यालय की बालिकाओं ने दौड़कर जीता गोल्ड मेडल



सांभरझील, (निसं)। यह स्थानीय महाविद्यालय की बालिकाओं की ओर से राजस्थान विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालयी क्रॉस कन्ट्री (10 किलोमीटर रेस) में स्वर्ण पदक जीतने की खुशी में महाविद्यालय प्रशासन की ओर से सांभर लौटने पर उनका भव्य अभिनंदन किया। पीटीआई सूरेंद्र सिंह राठौड़ बताते हैं कि राजेश पायलट राजकीय महाविद्यालय, बांदीकुई में आयोजित प्रतियोगिता में भाग लिया गया, जहां महाविद्यालय की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता, विजेता की टोफी प्राप्त कर महाविद्यालय का नाम रोशन किया। टीम में शामिल छात्रा सुमनलता, लक्षिता कुमावत, पूजा कुमावत, मनीषा बोदेल्या, सीमा कुमावत व कोमल जाट के स्वर्णमं भविष्य के लिए उन्हें आशीर्वाद दिया गया। बता दें कि खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण देकर उनकी छिपी प्रतिभा को लगातार सामने लाने में यहां के राजकीय शाकभर स्नातकोत्तर महाविद्यालय में पदस्थपित पीटीआई सूरेंद्र सिंह राठौड़ मजबूत इच्छा शक्ति के बल पर अब तक सैकड़ों खिलाड़ियों को विभिन्न खेलों में राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला चुके हैं। शारीरिक प्रशिक्षण अनुदेशक राठौड़ ने खिलाड़ियों को आगे भी ऐसे ही खेल प्रतियोगिताओं में सहभागीता करने का आ न किया एवं टीम का मार्गदर्शन किया। उक्त अवसर पर महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य महेश पालीवाल, राजेश राय, सत्यनारायण सांभरिया, ऋतु शर्मा, नवनीत ने उनका उसाहवर्धन किया।

कालाडेरा में समस्याएँ एवं समाधान’ विषय पर प्रसार वार्ता का आयोजन

चौमूं / कालाडेरा। सेठ आरएल सहरिया राजकीय पीजी महाविद्यालय, कालाडेरा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जयभारत सिंह की अध्यक्षता में एवं कान्विनर प्रोफ़ेसर आशा शर्मा के नेतृत्व में ‘राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के आलोक में राजस्थान विश्वविद्यालय की सेमेस्टर प्रणाली : समस्याएँ एवं समाधान’ विषय पर प्रसार वार्ता का आयोजन किया गया। वार्ता में एसोसिएट प्रोफ़ेसर डॉ. संतोष शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2०20 के राजस्थान विश्वविद्यालय में क्रियान्वयन से जुड़ी व्यावहारिक चुनौतियों, प्रक्रियागत अवरोधों तथा उनके संभावित समाधानों पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. शर्मा ने पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से महाविद्यालय के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को सेमेस्टर प्रणाली की कार्यप्रणाली, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप शैक्षणिक व्यवस्थाओं में हुए बदलावों तथा उनके प्रभावी क्रियान्वयन के विभिन्न आयामों से अवगत कराया। इस प्रसार वार्ता से संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2०20 के अनुरूप विस्तारित हो रही शैक्षणिक व्यवस्था को समझने तथा उसकी प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक होने का अवसर मिला। इस अवसर पर प्रो. सुमन भाटिया, प्रो. चिरंजी लाल, प्रो. सुधा राठी, प्रो. अनंता माथुर, प्रो. सूर्यप्रकाश शर्मा, प्रो. मानप्रकाश मीणा सहित महाविद्यालय के समस्त संकाय सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन डॉ. शिखा पाटनी ने किया।

डिग्गी में घी एवं काजू के नमूने लिए

टोंका। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण अविचल चुतुर्वेदी के निर्देशानुसार त्योहारी सीजन में आमजन को शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने तथा मिलावट के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान ‘शुद्ध आहारदृष्टिमिलावट पर वार’ के तहत टोंक जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा सघन निरीक्षण एवं नमूना संग्रह की कार्यवाई की गई। अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. मदन लाल गुर्जर, राजवीर चारण और आराधना शर्मा द्वारा डिग्गी स्थित दिलीप किराना स्टोर से पास ब्रांड का नमूना लिया गया। इसी प्रकार विजयवागीय किराना स्टोर से सेनापति ब्रांड काजू तथा रामजीवन रतन लाल प्रतिष्ठान से सुप्रीम ब्रांड काजू का नमूना संग्रहित किया गया। सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जाएगा। जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. मदन लाल गुर्जर ने बताया कि त्योहारी सीजन को देखते हुए जिलेभर में खाद्य प्रतिष्ठानों का लगातार निरीक्षण किया जा रहा है। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच करवाई जा रही है। खाद्य पदार्थों में मिलावट पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बिना अनुमति खेतों से 33 केवी लाइन निकालने से किसानों में आक्रोश

निवाई। किसान महापंचायत के तत्वावधान में 33 केवी लाइन को खेतों में से निकालने के विरोध में किसानों ने अधिशासी अधिपंयता को ज्ञापन सौंपा है। महापंचायत के ब्लॉक अध्यक्ष दशरथसिंह पलेई ने बताया कि विद्युत विभाग द्वारा ग्राम पंचायत पलेई एवं आसपास के क्षेत्र में बिना सूचना के किसानों के खेतों के बीच से 33 केवी लाइन को निकाला जा रही है। किसानों का आरोप है कि विद्युत विभाग ने न तो उनकी अनुमति ली और न ही उचित सर्वे किया। इससे किसानों की जमीन प्रभावित होने के साथ ही भविष्य में दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। विद्युत लाइन के कारण भविष्य में कोई दुर्घटना होती है तो इससे जान–माल का नुकसान हो सकता है। किसानों ने प्रशासन से मामले की गंभीरता को देखते हुए शीघ्र कार्रवाई करने व नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो किसान महापंचायत के नेतृत्व में आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर मुकेश चौधरी, गिरांज मीणा, गोविंदसिंह चौहान, रामस्वरूप चौधरी, विष्णु मीणा, प्रमल्ल मीणा, गणेश चौधरी, हरिनारायण मीणा, नरेश बैरवा, मनीष व बृजमोहन चौधरी सहित कई किसान मौजूद थे।



पंचायती राज चुनाव में
कमल खिलाना है

आधारभूत संरचनाओं से संवर रहा राजस्थान - ऊर्जा और सड़कों से हो रहा प्रदेश का उत्थान

डबल इंजन की सरकार का सुशासन

34 माह
में किए काम

कमजोर कांग्रेस का कुशासन

5 साल
में किए काम



	भाजपा सरकार	कांग्रेस सरकार		भाजपा सरकार	कांग्रेस सरकार		भाजपा सरकार	कांग्रेस सरकार
नवीन सड़कों के निर्माण पर व्यय	9704.02 करोड़	6910.50 करोड़	निर्मित नवीन सड़कों की लम्बाई	18917 कि.मी.	13160 कि.मी.	गांवों को सड़कों से जोड़ा	1760	1104
मिसिंग लिंक सड़कों का निर्माण	10030 कि.मी.	3075 कि.मी.	सौर ऊर्जा से उत्पादन क्षमता में कुल वृद्धि	28302.76 मेगावाट	14877.56 मेगावाट	कुल बिजली उत्पादन क्षमता में वृद्धि	10920.42 मेगावाट	3958.03 मेगावाट
400 केवी के नए ग्रिड सबस्टेशन स्थापित	2	1	220 केवी के नए ग्रिड सबस्टेशन स्थापित	10	5	132 केवी के नए ग्रिड सबस्टेशन स्थापित	51	38

सड़कों का जाल और ऊर्जा क्षेत्र में कीर्तिमान - बन रहा है विकसित राजस्थान

राजस्थान सौर ऊर्जा क्षमता में प्रथम एवं अक्षय ऊर्जा क्षमता में देश में द्वितीय स्थान पर

कुसुम योजना के अन्तर्गत लगभग 3.78 लाख किसान लाभान्वित

ग्रामीण सड़कों का विकास : 23,952 किमी लंबाई एवं ₹12,311.33 करोड़ का व्यय

राजस्थान डिस्कॉम्स की कुल स्थापित विद्युत क्षमता 35,016 मेगावाट

5 हजार से अधिक आबादी के गांवों में 765 अटल प्रगति पथ स्वीकृत। इनमें से 335 पूर्ण एवं शेष प्रगतिरत

29,701 किलोमीटर सड़कों के निर्माण के लिए 19,574 करोड़ रुपये की लागत से 12,361 कार्य प्रगतिरत



कमल का बटन दबाएं



भाजपा को जिताएं

भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान

नर्मदा के अतिरिक्त जल से अभावग्रस्त क्षेत्रों की माँग पूरी करेंगे- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण की समीक्षा बैठक में वीसी के माध्यम से भाग लिया

जयपुर, 27 अक्टूबर। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल की अध्यक्षता में मंगलवार को नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण समीक्षा समिति की 15वीं बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस,

■ **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान ने नर्मदा परियोजना में जल दक्षता का अनूठा मॉडल स्थापित किया है। संपूर्ण कमांड क्षेत्र में फव्वारा सिंचाई पद्धति अनिवार्य की गई है, जिससे पानी की छीजत नगण्य हुई है।**



केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल की अध्यक्षता में हुई नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण समीक्षा समिति की 15वीं बैठक में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा वीसी के माध्यम से जुड़े।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित वरिष्ठ अधिकारीगण वीसी के माध्यम से जुड़े।

नर्मदा नियंत्रण प्राधिकरण की समीक्षा समिति द्वारा 7 जुलाई, 2026 को नई दिल्ली में राजस्थान, गुजरात, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्रियों की उपस्थिति में हुए समझौते को प्रभावी

रूप से लागू किया जा रहा है। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 1979 के नर्मदा जल विवाद अधिकरण के अंतर्गत मानसून अवधि में उपलब्ध अधिशेष जल के भंडारण के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करवाई जा रही है। हमारा उद्देश्य मानसून के दौरान व्यर्थ बहने वाले अतिरिक्त पानी

को संरक्षित कर प्रदेश के जलाभावग्रस्त क्षेत्रों की बढ़ती मांग को पूरा करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान ने नर्मदा नहर परियोजना के अंतर्गत जल दक्षता का अनूठा मॉडल स्थापित किया है। जालौर और बाड़मेर जिलों के दूरस्थ क्षेत्रों तक इस परियोजना में सम्पूर्ण कमांड क्षेत्र में फव्वारा सिंचाई पद्धत को अनिवार्य करने की पहल की गई है। इस

सूक्ष्म सिंचाई तकनीक से पानी की छीजत नगण्य हुई है। साथ ही, 2.46 लाख हेक्टेयर कृषि योग्य कमांड क्षेत्र में निर्धारित 40 प्रतिशत सिंचाई सघनता के लक्ष्य को कुशलतापूर्वक प्राप्त किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सकारात्मक सहयोग के लिये केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री के साथ ही, गुजरात, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों का आभार व्यक्त किया।

‘अब दिल्ली से हरिद्वार की दूरी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्षेत्र में पूंजीगत व्यय का 49 प्रतिशत हिस्सा रोजगार के अवसर पैदा करने में मदद कर सकता है।

पर्यटन के अलावा, मंत्री ने नए सिरे से विकसित किए जा रहे ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे की भूमिका पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि ये एक्सप्रेसवे औद्योगिक पिछड़े क्षेत्रों को प्रमुख आर्थिक केन्द्रों से जोड़ने में मदद करेंगे। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से ग्रामीण, आकांक्षी और आदिवासी जिलों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी, जिससे व्यापार, निवेश और स्थानीय उद्यमों के लिए नए अवसर खुल सकते हैं।

हरियाणा में इस परियोजना से आकांक्षी जिलों को लाभ मिलने की उम्मीद है। वहीं, राजस्थान में अलवर,

दौसा, सर्वाई माधोपुर और बूंदी जैसे क्षेत्रों का सड़क संपर्क बेहतर होगा। मध्य प्रदेश के रतलाम और झाबुआ तथा गुजरात के दाहोद जैसे आदिवासी जिलों को भी प्रमुख आर्थिक केन्द्रों तक बेहतर पहुंच का लाभ मिलने की संभावना है।

दिल्ली-मुंबई संपर्क मार्ग के महत्व पर जोर देते हुए गडकरी ने कहा कि देश की वित्तीय राजधानी मुंबई से बेहतर कनेक्टिविटी आर्थिक विकास के लिए बेहद जरूरी है।

गडकरी ने कहा कि बुनियादी ढांचे पर जो खर्च होता है, उससे सिर्फ निर्माण क्षेत्र को ही लाभ नहीं मिलता, बल्कि सड़क निर्माण से प्रत्यक्ष रूप से रोजगार पैदा होता है और सीमेंट, इस्पात तथा निर्माण मशीनरी की मांग

भी बढ़ती है। राजमार्ग चालू होने के बाद परिवहन लागत घटती है, व्यापार और यात्रा सुगम होती है तथा औद्योगिक विकास, पर्यटन और नए शहरों के विस्तार को बढ़ावा मिलता है।

गडकरी ने अनुमान जताया कि बुनियादी ढांचे में निवेश किए गए प्रत्येक 100 रुपये से 325 रुपये का आर्थिक प्रभाव पैदा हो सकता है। उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास को अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया।

गडकरी ने कहा कि सरकार देशभर में कनेक्टिविटी सुधारने, आर्थिक गतिविधियों को गति देने और प्रमुख वाणिज्यिक केन्द्रों से दूर रहे क्षेत्रों तक विकास का लाभ पहुंचाने के लिए एक्सप्रेसवे तथा ग्रीनफील्ड राजमार्गों को प्राथमिकता देती रहेगी।

ड्रोन की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जेल की सुरक्षा व्यवस्था को तोड़ते हुए 17 कैदी फरार हो गए। घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

फरार कैदियों की गिरफ्तारी के लिए थैमी जिला पुलिस ने तत्काल 17 विशेष टीमों का गठन किया। तलाशी अभियान के शुरूआती चरण में पांच कैदियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

इसके बाद विशेष टीमों ने ड्रोन कैमरों की मदद से जंगलों में तलाशी अभियान चलाया। ड्रोन कैमरे में जंगल के एक संकरे रास्ते से आठ कैदी एक के पीछे एक जाते दिखाई दिए और हथियारों के बल पर घेराबंदी कर पुलिस ने सभी आठ कैदियों को पकड़ लिया।

सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन पर केन्द्र को नोटिस दिया

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट और इसके नियमों को चुनौती देने वाली एक और याचिका पर सुनवाई करते हुए केन्द्र सरकार को नोटिस जारी किया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने इस याचिका को ऐसी ही दूसरी याचिकाओं के साथ टैक करने का आदेश दिया। मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी।

नयी याचिका मीडिया संगठनों के संगठन “डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन” ने दायर की है। न्यायालय ने डेटा प्रोटेक्शन कानून पर किसी भी तरह की तत्काल रोक से इनकार करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार का पक्ष सुने बिना कोई आदेश नहीं दे सकते हैं।

‘चुनाव आयोग के शपथ पत्र पर 10 दिन में जवाब दें याचिकाकर्ता’

नई दिल्ली, 27 अक्टूबर। उच्चतम न्यायालय ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में चुनाव आयोग द्वारा दाखिल किए गए हलफनामे पर याचिकाकर्ताओं को जवाब दाखिल करने के लिए 10 दिनों का समय दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को करने का आदेश दिया। निर्वाचन आयोग ने अपने हलफनामे में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का बचाव करते हुए कहा है कि यह प्रक्रिया कानून के अनुसार है और इससे जुड़े आदेशों को चुनाव आयोग के तीनों सदस्यों ने सर्वसम्मति से मंजूरी दी थी। उप चुनाव आयुक्त भात प्रकाश येतुर की ओर से दाखिल 248 पन्नों के हलफनामे में निर्वाचन आयोग ने इन आरोपों को

■ **सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश दिया और अगली सुनवाई के लिए 17 नवम्बर की तारीख तय की।**

खारिज किया है कि मतदाता पंजीकरण के लिए इस्तेमाल होने वाले फॉर्म 6 में कोई बदलाव किया गया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि इस वैधानिक फॉर्म में कोई भी बदलाव नहीं किया गया है।

इसके पहले, 15 अक्टूबर को न्यायालय ने निर्वाचन आयोग को नोटिस जारी किया था। याचिका दायर करने वालों में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के अलावा, अन्य प्रमुख नेताओं में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव (सपा), तेजस्वी प्रसाद यादव (राजद), सोगत राय

(वृणमूल कांग्रेस), संजय राउत (शिवसेना-यूबीटी), एम.ए. बेबी (माकपा), डी. राजा (भाकपा), महुआ मांझी (ज्ञामुमो), सुप्रिया सुले (एनसीपी-शरदचंद्र पवार) और ई.टी. मोहम्मद बशीर (आईयूएमएल) शामिल हैं।

याचिका में निर्वाचन आयोग के भीतर एसआईआर के फैसले लेने की प्रक्रिया की जांच के लिए एक स्वतंत्र समिति के गठन की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हॉस्पिटल से जोधपुर सेंट्रल जेल में सरेंजर करने के लिए रवाना हो गया है। गौरतलब है कि आसाराम 2013 के एक नाबालिग से रेप के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहा है।

सबीर भाटिया की डॉक्यूमेंट्री पर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इंडिया: द फ्रेंडशिप फाइल्स” शीर्षक वाली यह डॉक्यूमेंट्री 9 अक्टूबर को भाटिया के यू-ट्यूब चैनल पर अपलोड की गई थी और उनके एक्स अकाउंट पर भी पोस्ट की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया है कि वर्षों के नियामक बदलावों, (रैगुलेटरी चेन्जेज़), कारोबारी सौदों, भूमि आवंटन और अन्य फैसलों के जरिए अडाणी समूह को कथित तौर पर विशेष तरजीह दी गई है।

अदालत ने कहा कि डॉक्यूमेंट्री में गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिनमें आतंकवादी फंडिंग से जुड़े मादक पदार्थों की तस्करी में मिलीभगत तथा एक किसान के खिलाफ पुलिस हिंसा या झुठी कानूनी कार्रवाई किए जाने जैसे आरोप भी शामिल हैं। अदालत ने कहा कि इन आरोपों की पुष्टि किसी सक्षम प्राधिकरण ने नहीं की है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि अडाणी समूह या सरकारी नीतियों की रचनात्मक आलोचना और साक्ष्यों पर आधारित रिपोर्टिंग पर कोई रोक नहीं है।

सरकार को शिकायत के बाद, भारत में इस वीडियो का हटा दिया गया था, कि

■ **मुंबई में राज ठाकरे व शिव सेना के संजय राउत ने भी अपने अकाउंट पर यह वीडियो पोस्ट किया था और इसे प्रसारित किया था, जिसे काफी व्यूज मिले, पर पुलिस के आग्रह पर राज ठाकरे ने तो पोस्ट हटा ली।**

■ **अडाणी एंटरप्राइजेज ने इस डॉक्यूमेंट्री पर 50 करोड़ रूपए का मानहानि दावा किया है।**

लेकिन भाटिया ने इसे दोबारा अपलोड कर दिया। अदालत ने प्रथम दृष्टया इस कदम को “अच्छी नीयत” (गुड फेथ) की कमी का संकेत माना। प्लेटफॉर्म को निर्देश दिया गया है कि वे सूचीबद्ध यूआरएल तक पहुंच को बंद करें और इससे जुड़ी अन्य गतिविधियों, जैसे कि रीपोस्ट और शेयर की भी रोकें। अंतरिम आदेश के बाद अब यह डॉक्यूमेंट्री प्रतिबंधित चैनलों के माध्यम से ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध नहीं है।

अदालत के आदेश से पहले, विपक्ष के कई नेताओं ने इस वीडियो को काफी प्रचारित किया था। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे ने इसे साझा करते हुए दावा किया था कि

अकेले एक्स पर इसे 48 लाख से अधिक बार देखा गया। बाद में मुंबई पुलिस आयुक्त के माध्यम से पहुंचे अनुरोध पर उन्होंने अपनी पोस्ट हटा दी। हालांकि उन्होंने कहा कि उनका विरोध किसी व्यक्ति विशेष के बजाय, एकाधिकार के खिलाफ है और “आग तो पहले ही लग चुकी है।”

शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के सांसद संजय राउत ने भी वीडियो पोस्ट किया था। उन्होंने भाजपा और सरकार पर सामग्री को दबाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सहित, विपक्ष के कई नेताओं ने लंबे समय से यह आरोप लगाया है कि अडानी समूह को

अनुचित समूह को अनुचित तरजीह दी जा रही है और “क्रोनी कैपिटलिज्म” को बढ़ावा दिया जा रहा है। हालांकि, सरकार और कंपनी इन आरोपों को बार-बार खारिज करती रही है।

अडाणी एंटरप्राइजेज ने मुकदमे में 50 करोड़ रुपये के हर्जाने और स्थायी निषेधाज्ञा की मांग की है। कंपनी के वकील ने अदालत में दलील दी कि वीडियो में दिए गए बयान झूठे हैं तथा महत्वपूर्ण तथ्यों को छिपाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठा का अधिकार, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत, जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का अभिन्न हिस्सा है।

अदालती कार्यवाही के अलावा, अडाणी एंटरप्राइजेज और प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से कोई विस्तृत सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया। दोनों ने मीडिया संस्थानों के टिप्पणी संबंधी अनुरोधों पर प्रतिक्रिया देने से इनकार कर दिया। लेकिन भाजपा नेताओं और सरकार ने पक्षपात के आरोपों को लगातार खारिज करते हुए कहा है कि नियमों का प्रामुख्यता बनाया गया है।

भगवान केदारनाथ धाम के कपाट 11 नवम्बर को बंद होंगे

देहरादून, 27 अक्टूबर। उत्तराखंड के प्रमुख धाम तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ एवं द्वितीय केदार भगवान मन्वाहेश्वर के कपाट क्रमशः 6 नवंबर और 16 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। भगवान केदारनाथ धाम के कपाट 11 नवंबर को बंद होंगे। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के मुख्य कार्याधिकारी ने बताया कि श्री केदारनाथ मंदिर के कपाट 11 नवंबर को भाई दूज के दिन प्रातः 8:30 बजे बंद कर दिए जाएंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, 11 नवंबर को श्री केदारनाथ की चल-विग्रह डोली केदारनाथ धाम से प्रस्थान कर रात्रि विश्राम के लिए रामपुर पहुंचेगी। 12 नवंबर को रामपुर से प्रातः प्रस्थान कर फाटा, नारायणकोटी होते हुए, रात्रि विश्राम के लिए श्री विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी पहुंचेगी। अगले दिन 13 नवंबर को चल-विग्रह डोली प्रातः 8:30 बजे प्रस्थान कर अपने शीतकालीन गद्दी स्थल श्री ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ पहुंचेगी।

वंदे मातरम् ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से चले आ रहे केवल शुरुआती दो छंदों को गाने की गैर-धार्मिक परंपरा को अवैध रूप से बदलता है। इससे पहले, प्रसिद्ध कर्नाटक संगीत गायक टीएम कृष्णा ने भी ऐसी ही एक याचिका दायर की थी, जिसमें आखिरी चार छंदों की अनिवार्यता को चुनौती दी गई है।

संबंधों में कटुता होने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आंकड़ों से पहले का है, जिनका जिक्र रिपोर्ट में किया गया है। सन् 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के व्यापारिक संबंधों में भारी गिरावट आई थी। इस हमले में भारत के 40 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे। इसके बाद नई दिल्ली ने पाकिस्तान से सबसे पसंदीदा राष्ट्र (मोस्ट फेवर्ड नेशन) का दर्जा वापस ले लिया था। इसके बाद भारत-पाकिस्तान के व्यापारिक संबंधों में भारी गिरावट आई। ये ताजा आंकड़े उस अंतर को उजागर करते हैं, जो सरकार की नीतियों और बाजार की मांग के बीच पैदा हो सकता है। पाकिस्तान के कारोबारी भारतीय उत्पादों की मांग जारी रख सकते हैं,

‘जिम्मेदार अधिकारियों की नाक के नीचे पूरी नदी प्रणाली नष्ट कर दी गई’

सुप्रीम कोर्ट ने जोजरी, बांदी व लूनी नदियों में अवैध खनन व प्रदूषण पर फटकार लगाई

■ **उद्योगों और आजीविका की दलील पर अदालत ने तीखी टिप्पणी की और कहा, कुछ हजार लोगों की आर्थिक व्यवहार्यता और उनकी आजीविका की तुलना में 20 लाख लोगों की जिन्दगी से नहीं की जा सकती।**

बड़े पैमाने पर अवैध खनन की पहचान की गई थी, उन्हें बाद में पट्टे जारी करके नियमित कैसे कर दिया गया? न्यायालय ने इसे अवैध गतिविधियों को कानूनी जामा पहनाने का प्रयास माना और कहा कि अधिकारियों ने अपने कर्तव्यों का पालन करने में पूरी तरह विफलता दिखाई है। राजस्थान सरकार की ओर से पेश एएसजी एसबी राजू ने न्यायालय को इस मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया।

सुनवाई के दौरान, जब उद्योगों और आजीविका का हवाला दिया गया तो न्यायालय ने बेहद तीखी और भावुक टिप्पणी की। उन्होंने कहा, "कुछ हजार लोगों की आर्थिक व्यवहार्यता और उनकी आजीविका की तुलना 20 लाख

लोगों की जिंदगी से नहीं की जा सकती। हम 20 लाख लोगों को नरक जैसी परिस्थितियों में रहने के लिए मजबूर नहीं होने दे सकते।"

न्यायालय ने पाया कि सांगानेर और आसपास के कई इलाकों में कपड़ा व अन्य औद्योगिक इकाइयां प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की आवश्यक अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) के बिना ही घड़ल्ले से चल रही है और जहरीला कचरा सीधे नदियों में बहा रही है। न्यायालय ने कहा कि नदियों की हाई फ्लड लाइन तय करते समय नदी के गलियारों (रिवर कॉरिडोर) को जानबूझकर संकरा दिखाने की कोशिश की गई, जो कि न्यायालय के निर्देशों को गलत तरीके से पेश करने जैसा है।

‘कीमती विदेशी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कोई टोस और वास्तविक काम करने के बजाय, इसी 'टल्लो' को बजाने में व्यस्त रहे हैं।" पंजाब में 'टल्लो' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर नशे में धुत सामान की आवाजाही जारी है। फिलहाल, पाकिस्तान के भारत से आयात में बढ़ोतरी से संकेत मिलता है कि राजनीतिक दुश्मनी के बावजूद, बाजार की व्यापारिक माँग पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

ब्रिक्स संसदीय ...

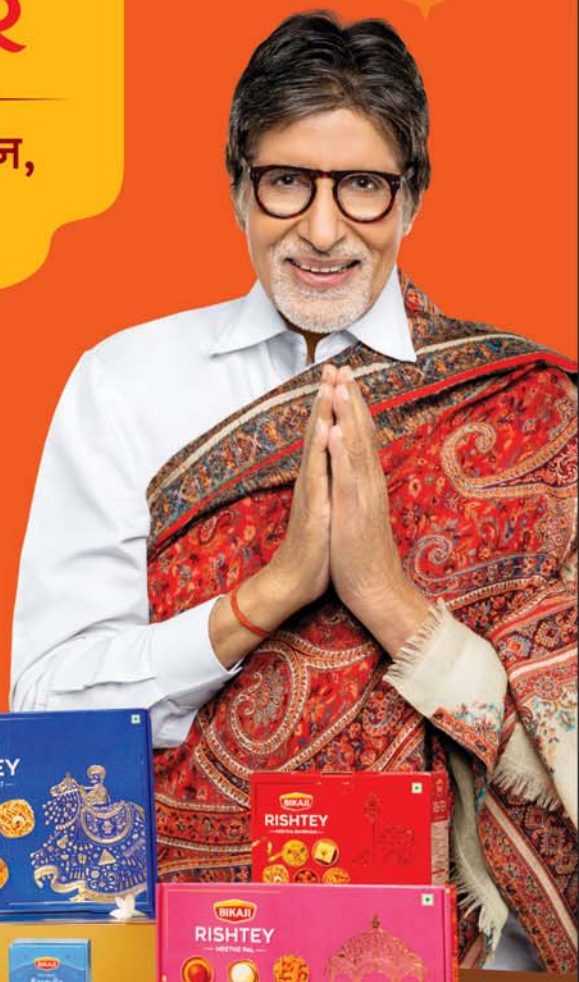
(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने 2027 में ब्रिक्स की अध्यक्षता ग्रहण करने वाले चीन को शुभकामनाएं भी दीं।

रिश्तों का त्योहार, बीकाजी का उपहार

कुछ मीठा, कुछ नमकीन, और ढेर सारा प्यार







Zonal Sales Manager: Pankaj Mittal, M: 9838572233, Area Sales Manager: Anoop Singh Choudhary, M: 9810697713, Vipin Awasthi, M: 9414209211, Sales Officer: Kunal Kalra, M: 7976906519, Vishal Singh Panwar, M: 9414954268, Mukesh Pareek, M: 9414407768

www.bikaji.com | Download 'Bikaji Online' App from   | Follow us on:   

BHUJIA • NAMKEEN • SWEETS • PAPAD • SNACKS